खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | रविवार, 26 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-203

## स्वर्गवास

## सुरेश कुमार अग्रवाल

सुपुत्र : स्व. नथमल अग्रवाल

स्वर्गवास : शनिवार 25 जुलाई, 2026

मीठी मधुर स्मृतियाँ आपकी, कभी नहीं मिट पाएंगी
आपका व्यवहार आपकी बातें, सदैव हमें याद आएंगी ॥
दिवंगत आत्मा को शत् शत् नमन ॥ ॐ शांति शांति ॥

**शोकाकुलः**

रमेश कुमार, नंदलाल (अनुज), अनूप (पुत्र), नरेश , बजरंग, दिलीप, अनिल, मयूर, पियूष, मृदुल, मोहित, लोकेश, प्रतियोध, प्रियांक (भतीजे), कमल, अंकित, नयन, रचित, आरूष, विहान, निश्चय, हृदय, पनव (पौत्र) एवं समस्त प्राणसुख परिवार

**नथमल सुरेश कुमार (बसईवाले)**

फ़र्म : श्री इंडो स्टील इंटरप्राईजेस ,चॉइस डिकोर्स
बसई स्टील्स , मेगासिटी मोल्डिंग

निवास : 333 लिफ्ट नंबर.12 मानसरोवर हाइटस फ़ेज-1
तिरुमलगिरी, हैदराबाद-500011

# 16 साल की लंबी खोज के बाद दुनिया को मिला नारंगी होंठों वाला नया बंदर लिक्वेली

लंदन

अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के घने जंगलों में वैज्ञानिकों ने नारंगी होंठों वाले एक बिल्कुल नए बंदर की प्रजाति की पहचान की है। इस स्थानीय रूप से लिक्वेली नाम दिया गया है, जिसका वैज्ञानिक नाम अंगोलन कोलोबस है। एक नई स्टडी में इसकी जानकारी दी गई है। यह खोज इसलिए भी खास है क्योंकि पिछले 75 सालों में अफ्रीका में मिली यह सिर्फ पांचवीं नई बंदर प्रजाति है, जो वन्यजीव अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

वैज्ञानिकों ने 16 सालों तक इसकी बनावट, आवाज, रहने के तरीके और डीएनए की गहन जांच की, जिसके बाद पता चला कि यह पहले से ज्ञात किसी भी प्रजाति से अलग है। इस बंदर की पहली अस्पष्ट तस्वीर 2008 में ली गई थी, लेकिन अगले करीब 10 साल तक फिर नहीं देखा जा सका। लोमामी नेशनल पार्क में रिसर्च शुरू होने पर यह बंदर फिर दिखाई दिया, जिसके बाद इसकी पहचान के लिए सालों तक लगातार अध्ययन किया गया। रिसर्च टीम ने आसपास के 52 गांवों का दौरा किया, जिनमें से सिर्फ 8 गांवों के लोगों ने ही पहचानने की बात कही, जो बताता है कि यह एक बहुत छोटे और विशिष्ट इलाके में ही रहता है।

लिक्वेली, कोलोबस परिवार का सदस्य होने के बावजूद अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। इसके होंठों के आसपास नारंगी और हल्के क्रीम रंग का हिस्सा होता है, जबकि इसके शरीर के पिछले हिस्से पर सफेद रंग का एक पैच भी पाया जाता है। इसके बाल और इसकी आवाज भी दूसरे कोलोबस बंदरों से भिन्न हैं।

डीएनए जांच से पता चला कि इसका सबसे करीबी रिश्ता ब्लैक कोलोबस से है, लेकिन ये दोनों प्रजातियां लगभग 50 लाख साल पहले ही एक-दूसरे से अलग हो गई थीं। यही कारण है कि वैज्ञानिकों ने इसे एक नई और स्वतंत्र प्रजाति के रूप में मान्यता दी है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बंदर केवल लगभग 1700 वर्ग किलोमीटर के छोटे से इलाके में ही पाया जाता है, जिससे इसके विलुप्त होने का खतरा बढ़ जाता है। रिसर्च के दौरान अवैध शिकार के सबूत भी मिले, और जंगलों की कटाई तथा बढ़ती खेती के कारण इनके आवास सिकुड़ते जा रहे हैं। शोधकर्ताओं ने अंगोलन कोलोबस को लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची में शामिल करने की सिफारिश की है।

## न्यूज ब्रीफ

### खैबर पख्तूनख्वा के टैंक में आतंकी हमले में 14 सुरक्षाकर्मी समेत 15 की मौत, जवाबी कार्रवाई में 12 हमलावर ढेर

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में एक संयुक्त पुलिस चेकपोस्ट पर हुए आतंकी हमले में 14 सुरक्षाकर्मियों समेत 15 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में 12 आतंकवादियों को मार गिराया। आईएसपीआर के हवाले से जीओ न्यूज ने बताया कि 23 और 24 जुलाई की दरमियानी रात आतंकवादियों ने चेकपोस्ट की सुरक्षा घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने तत्काल कार्रवाई कर उनके प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद भाग रहे आतंकवादियों का पीछा करते हुए 12 हमलावरों को मार गिराया गया। सेना ने बताया कि हमला विफल होने के बाद आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदे वाहन को चेकपोस्ट की बाहरी दीवार से टकरा दिया। इस शक्तिशाली विस्फोट में चेकपोस्ट को भारी नुकसान पहुंचा और 15 लोगों की जान चली गई। मृतकों में सेना के 12 जवान, दो पुलिस कर्मी और वन विभाग के एक पूर्व सरकारी अधिकारी शामिल हैं। आईएसपीआर ने कहा कि इलाके में बचे हुए आतंकवादियों की तलाश के लिए सैनिटाइजेशन आपरेशन जारी है। सेना ने दोहराया कि देश से आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने के लिए सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवाद विरोधी अभियान लगातार जारी रखेंगी। हमले के बाद पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसकी कड़ी निंदा की। दोनों नेताओं ने शहीद सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आपरेशन में 12 आतंकवादियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की।

### ट्रंप का दावा: चीन और रूस नहीं करेंगे ईरान की मदद, नहीं माने तो भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

**वाशिंगटन।** अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने भरोसा जताया है कि इस युद्ध में चीन और रूस ईरान की कोई सीधी मदद नहीं करेंगे। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने दोनों देशों को चेतावनी भी दी कि यदि वे इस संघर्ष में शामिल होते हैं, तो उन्हें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि हाल ही में बीजिंग में हुई बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वस्त किया था कि चीन न तो सीधे और न ही अपनी किसी कंपनी के माध्यम से ईरान को हथियारों की आपूर्ति करेगा। इसके अतिरिक्त, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी उन्हें आश्वासन दिया है कि रूस तेहरान को किसी भी प्रकार के सैन्य हथियार नहीं बेचेगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्हें दोनों वैश्विक नेताओं की बातों पर भरोसा है और उन्हें नहीं लगता कि ये देश इस टकराव में ईरान का साथ दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी रक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों ने सांसदों को यह जानकारी दी थी कि रूस और चीन की कुछ गतिविधियां अप्रत्यक्ष रूप से ईरान को बढ़ावा दे रही हैं। इसके अलावा, खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी खुफिया ठिकानों पर हुए हमलों के बाद जांच एजेंसियां इस बात का पता लगा रही हैं कि क्या रूस ने ईरान को टारगेटिंग डेटा या ड्रोन तकनीक मुहैया कराई थी। हालांकि, क्रेमलिन ने इन आरोपों पर टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया है।

### क्या नेपाली पीएम अपने खुद के बनाए डिप्लोमेटिक नियम तोड़ रहे

**काठमांडू।** बालेन शाह ने नेपाल के पीएम बनने के बाद अघोषित रूप से दूसरे देशों के राजदूतों से अलग-

अलग मिलने की परंपरा खत्म कर दी है। इसके बदले उन्होंने सभी से एकसाथ मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक अब बालेन शाह भारत और चीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखने के लिए काठमांडू में मौजूद राजदूतों के साथ बैठक करने वाले हैं। पीएम शाह इस हफ्ते भारत और चीन के राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह दिखाने के लिए कि नेपाल नई दिल्ली और बीजिंग को बराबर महत्व देता है, शाह एक ही दिन भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मुलाकात करने वाले हैं। हालांकि, अभी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन नेपाल में सरकार के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि जल्द ही इसकी पुष्टि होने की संभावना है।

# बारिश में स्कूल जाती 3 बच्चियों का वीडियो हुआ वायरल, अब स्नातक तक मिलेगी मुफ्त शिक्षा

काठमांडू

**नेपाल के रोल्पा जिले में बारिश के बीच रेनकोट पहनकर पहाड़ी रास्ते से स्कूल जाती तीन छोटी बच्चियों का 17 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो गया है। वीडियो को करोड़ों लोग देख चुके हैं और इसकी लोकप्रियता के बाद इन तीनों बच्चियों की शिक्षा को लेकर बड़ी पहल की गई है। अब उन्हें स्नातक (ग्रेजुएशन) तक निःशुल्क पढ़ाई की सुविधा मिलेगी।**

वीडियो में गुलाबी, हरे और पीले रंग के रेनकोट पहने तीन बच्चियां चुपचाप पहाड़ी चढ़ाई पर स्कूल जाती दिखाई देती हैं। पीछे से कोई उन्हें आवाज लगाता है, लेकिन वे बिना रुके अपनी ही धुन में आगे बढ़ती रहती हैं। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार भी रास्ते से गुजरता है और वीडियो वहीं समाप्त हो जाता है।

यह वीडियो दो दिन पहले फेसबुक पर पोस्ट किया गया था। इसे 2.2 करोड़ (22 मिलियन) से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो पर 7.5 लाख से ज्यादा रिएक्शन, 9,100 से अधिक टिप्पणियां और 4,600 से ज्यादा शेयर हो चुके हैं।

यह वीडियो नेपाल के रोल्पा जिले की रन्टीगढ़ी गांव के सुर्पाल क्षेत्र का है। इसे स्थानीय निवासी लोकेन्द्र पुन (फेसबुक पर लोकेन पुन) ने रिकार्ड किया था।

लोकेन्द्र पुन ने बताया कि वह अपनी बहन को बस से घोराही भेजने के लिए प्रतीक्षालय में इंतजार कर रहे थे। तभी बारिश में प्लास्टिक और रेनकोट ओढ़कर स्कूल जाती तीन बच्चियों को देखकर उन्होंने वीडियो बना लिया। उन्होंने कहा, बारिश में इन मासूम बच्चियों को स्कूल जाते देख मैंने वीडियो फेसबुक पर डाल दिया। मुझे अंदाजा नहीं था कि इसे इतना प्यार मिलेगा।

वायरल वीडियो की तीनों बच्चियां रोल्पा जिले के सुर्पाल की रहने वाली हैं और एडभान्स चाइल्ड केयर इंग्लिश बोर्डिंग स्कूल में पढ़ती हैं। इनमें दो बच्चियां एक ही परिवार की हैं, जबकि तीसरी उनकी पड़ोसी है। तीनों रोज साथ-साथ स्कूल जाती हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने बच्चियों का चेहरा देखने की इच्छा जताई, जिसके बाद लोकेन्द्र पुन ने उनका एक नया वीडियो भी साझा किया। उन्होंने बताया कि इस बार भी बच्चियां कैमरे से बातचीत किए बिना सीधे स्कूल चली गईं।

सोशल मीडिया पर मिले अपार समर्थन के बाद स्थानीय स्कूल और रन्टीगढ़ी ग्राम पंचायत ने तीनों बच्चियों की पढ़ाई की पूरी जिम्मेदारी उठाने का फैसला किया है। तीनों बच्चियों—मनजीता पुन, सियाँ घर्ती और मनजीता घर्ती—को अभी जिस स्कूल में वे पढ़ रही हैं, वहां कक्षा 6 तक निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। इसके बाद कक्षा 7 से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई का पूरा खर्च रन्टीगढ़ी ग्राम पंचायत उठाएगी।

यह निर्णय समाजसेवी एवं पत्रकार भुवन थापा की पहल पर लिया गया। ग्राम पंचायत के अध्यक्ष जनक पुन, स्कूल के प्रिंसिपल तेजबहादुर पुन, वीडियो बनाने वाले लोकेन्द्र पुन और अन्य लोग बच्चियों के घर पहुंचे और उनके अभिभावकों से इस संबंध में सहमति बनाई।

तीनों बच्चियों के पिता रोजगार के सिलसिले में विदेश में हैं। दो बच्चियां एक ही परिवार से हैं, जबकि तीसरी उनकी पड़ोसी है। बच्चियों की माताओं ने भी इस पहल पर सहमति जताई। स्कूल के प्रिंसिपल तेजबहादुर पुन ने कहा कि उनका संस्थान कक्षा 6 तक बच्चियों की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाएगा। वहीं, ग्राम पंचायत अध्यक्ष जनक पुन ने स्नातक तक की शिक्षा की जिम्मेदारी लेने का सार्वजनिक वादा किया है।

लोकेन्द्र पुन ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उनका वीडियो लाखों लोगों तक पहुंचा, लेकिन दुख इस बात का है कि कई लोगों ने वीडियो डाउनलोड कर अपने नाम से सोशल मीडिया पर साझा किया और उन्हें श्रेय (क्रेडिट) तक नहीं दिया। उनका कहना है कि यदि उनका फेसबुक पेज मोनेटाइज्ड होता, तो मिलने वाली आय से वे इन बच्चियों की मदद करना चाहते।

# यमन ने जवाबी हमले में सऊदी अरब के औद्योगिक ठिकानों पर दागीं मिसाइलें

सना

**सऊदी अरब और यमन के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। यमन की सेना ने सऊदी अरब के जिज़ान क्षेत्र में औद्योगिक ठिकानों पर मिसाइल हमले करने का दावा किया है। यमन का कहना है कि यह कार्रवाई अल-हुदैदा और कामरान द्वीप पर सऊदी हवाई हमलों के जवाब में की गई है। दोनों पक्षों की ओर से लगातार आ रही चेतावनियों ने क्षेत्र में संघर्ष और तेज होने की आशंका बढ़ा दी है।**

ईरान की समाचार एजेंसी फ़ारस व अन्य मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इन हमलों से पहले सऊदी सेना ने पश्चिमी यमन के अल-हुदैदा स्थित एक ठिकाने और कामरान द्वीप पर कई हवाई हमले किए थे। यमन का दावा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने सऊदी लड़ाकू विमानों को उसके हवाई क्षेत्र से बाहर जाने पर मजबूर कर दिया।

हमलों के बाद यमन के विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि इस सैन्य कार्रवाई के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी रियाद सरकार की होगी। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यमन पर लंबे समय से लगी नाकेबंदी हटाने की मांग पर विचार करने के बजाय सऊदी अरब ने सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुना है।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि अल-हुदैदा पर हमला क्षेत्रीय तनाव को नए स्तर पर ले जाएगा और अब हमले के जवाब में हमला की नीति अपनाई जाएगी। वहीं, यमन के अंसारुल्लाह आंदोलन के वरिष्ठ नेता हज़ेम अल-असद ने भी सऊदी अरब को चेतावनी देते हुए कहा कि बंदरगाह के बदले बंदरगाह, हवाई अड्डे के बदले हवाई अड्डा और हर हमले का जवाब उससे भी बड़े हमले से दिया जाएगा। इससे पहले यमन की सेना ने घोषणा की थी कि वह सऊदी ठिकानों के खिलाफ अपने नौसैनिक अभियान जारी रखेगी।

## नेपाल में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर चर्चा

**काठमांडू।** नेपाल की स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, टेलीमेडिसिन को सुदृढ़ करने और एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने के संबंध में चर्चा की है। एक बैठक के दौरान, बडीमालिका नगरपालिका के प्रमुख अमर खड़का, स्मार्ट हेल्थ ग्लोबल के प्रतिनिधि मनोज खड़का, सुशील लेखक और अन्य के एक प्रतिनिधिमंडल ने द लास्ट माइल : डिजिटल हेल्थ कान्फ्रेंस 2083 के निष्कर्षों और सिफारिशों को प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय स्तर पर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को लागू करने के अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही, उन्होंने टेलीमेडिसिन के विस्तार, स्वास्थ्य सूचना प्रणालियों के एकीकरण, कानूनी और नीतिगत सुधारों, वित्तीय स्थिरता और सरकार के तीनों स्तरों के बीच मजबूत समन्वय को प्राथमिकता देते हुए एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री ने डिजिटल स्वास्थ्य को नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक प्रमुख माध्यम बताया और कहा कि सरकार आवश्यक नीतिगत व संस्थागत पहलों को आगे बढ़ाने से पहले सम्मेलन की सिफारिशों का अध्ययन करेगी।

# अब बहरीन और कुवैत ने शुरु किए ईरान पर सीधे हमले

**पश्चिम एशिया में भड़का महायुद्ध, बढ़ेगा ऊर्जा संकट**

दुबई

पश्चिम एशिया में जारी तनाव अब एक बेहद खतरनाक और व्यापक सैन्य संघर्ष का रूप ले चुका है। ईरान द्वारा लगातार किए जा रहे हमलों के जवाब में अब खाड़ी देश भी सीधे तौर पर इस युद्ध में कूद पड़े हैं। रिपोर्टों के अनुसार, बहरीन और कुवैत ने पहली बार ईरान के सैन्य ठिकानों और मिसाइल स्टोरेज डिपो पर सीधे हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। इस सैन्य कार्रवाई में सऊदी अरब दोनों देशों को खुफिया जानकारी (इंटेलिजेंस) और रक्षात्मक एयर कवर प्रदान करके रणनीतिक मदद पहुंचा रहा है।

अब तक खाड़ी के देश केवल आत्मरक्षा तक सीमित थे और अपनी ओर आने वाली ईरानी मिसाइलों व ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर देते थे। युद्ध के और अधिक फैलने के डर से ये देश सीधे हमलों से बच रहे थे। हालांकि, अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ईरान द्वारा लगातार निशाना बनाए जाने के बाद अब रणनीति पूरी तरह बदल चुकी है। हालांकि ओमान और कतर जैसे देशों ने अभी सीधे हमले शुरू नहीं किए हैं, लेकिन बहरीन और कुवैत ने ईरान के खिलाफ पूरी तरह से मोर्चा खोल दिया है। ईरान का दावा है कि उसने

कुवैत में स्थित अमेरिकी ठिकानों जैसे कैंप उडैरी, कैंप दोहा, कैंप आरिफजान और अली अल सलेम एयरबेस को निशाना बनाया है। वहीं बहरीन में भी ईरानी हमलों के खतरे को देखते हुए सायरन बज रहे हैं और नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की हिदायत दी गई है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के खिलाफ लगातार 13वीं रात भी सैन्य हमले जारी रखे गए हैं। इस पूरे संघर्ष और तनाव का मुख्य केंद्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट आफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) पर नियंत्रण को लेकर जारी खींचतान है। होर्मुज जलमार्ग पूरी दुनिया में कच्चे तेल और ऊर्जा आपूर्ति का सबसे अहम रास्ता माना जाता है। यदि जारी हमलों के कारण यह मार्ग पूरी तरह बाधित होता है, तो वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतें बेकाबू हो सकती हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को एक बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है।

# ईरानी जाल में फंसा पाकिस्तान, हूती धमकी से बढ़ी रणनीतिक चुनौती

इस्लामाबाद

**मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान एक कठिन कूटनीतिक और सुरक्षा संकट में फंसता नजर आ रहा है। यमन के हूती विद्रोहियों ने बाब-अल-मंदेब समुद्री गलियारे से सऊदी अरब के जहाजों को गुजरने से रोकने की चेतावनी दी है। हूती लड़ाके यमन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं और उन्हें ईरान का समर्थन प्राप्त माना जाता है। इस कदम को सऊदी अरब पर दबाव बढ़ाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।**

सऊदी अरब अपने तेल निर्यात के लिए लंबे समय से समुद्री मार्गों पर निर्भर रहा है। फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ने के बाद उसने लाल सागर के रास्ते यानबू बंदरगाह से तेल आपूर्ति का विकल्प अपनाया। अब बाब-अल-मंदेब मार्ग पर खतरे की स्थिति बनने से उसकी ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर दबाव बढ़ सकता है।

मामले की सबसे बड़ी चुनौती पाकिस्तान के लिए है। पाकिस्तान के सऊदी अरब के साथ लंबे समय से मजबूत सैन्य और आर्थिक संबंध हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के कारण इस्लामाबाद पर रियाद की सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं करने का दबाव है। दूसरी ओर, ईरान पाकिस्तान का पड़ोसी देश है और दोनों देशों की लंबी सीमा भी जुड़ी हुई है। अगर पाकिस्तान सऊदी अरब के पक्ष में ईरान समर्थित हूती समूहों के खिलाफ सक्रिय भूमिका निभाता है तो उसे कई आंतरिक और क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में पहले से सुरक्षा समस्याएं हैं और देश में शिया समुदाय की बड़ी आबादी भी है। ऐसे में ईरान के खिलाफ सीधी भूमिका घरेलू स्तर पर भी संवेदनशील स्थिति पैदा कर सकती है।

वहीं, अगर पाकिस्तान सऊदी अरब की अपेक्षाओं के अनुसार कदम नहीं उठाता है तो उसे आर्थिक नुकसान का डर है। सऊदी अरब लंबे समय से पाकिस्तान को वित्तीय सहायता, तेल सुविधा और आर्थिक सहयोग देता रहा है। कर्ज के दबाव से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए यह समर्थन महत्वपूर्ण माना जाता है। इस बीच ईरानी अधिकारियों के पाकिस्तान दौरे और दोनों देशों के बीच बातचीत ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। ईरान चाहता है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय तनाव को कम करने में भूमिका निभाए, जबकि सऊदी अरब अपने सुरक्षा साझेदारों से समर्थन की उम्मीद कर रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सामने अब संतुलन बनाए रखने की बड़ी चुनौती है। एक ओर सऊदी अरब के साथ रणनीतिक संबंध हैं, दूसरी ओर ईरान के साथ पड़ोसी संबंध। क्षेत्रीय राजनीति में बदलते समीकरणों के बीच पाकिस्तान को ऐसा रास्ता चुनना होगा, जिससे वह सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और कूटनीतिक हितों को नुकसान से बचा सके।

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 26 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-203

# प्रधान पद नहीं देश!

## धर्मेंद्र का इस्तीफा, छात्रों का सीना 56 ईंची

**नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)।**
केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने समेत सरकार के साथ सभी प्रमुख मांगों पर सहमति बनने के बाद क्रांतिकारी जनता पार्टी (सीजेपी) ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा अपना अनिश्चितकालीन आंदोलन वापस लेने का ऐलान कर दिया है। सरकार और सीजेपी के प्रतिनिधियों के बीच तीन दौर की गहन बातचीत के बाद यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया।

सीजेपी की तीन प्रमुख मांगें थीं0केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों व आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर व कानूनी मामलों को वापस लेना और नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिजनों को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा देना।

वार्ता में सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह शामिल हुए, जबकि सीजेपी की ओर से सौरव दास और आशुतोष रांका ने प्रतिनिधित्व किया। बैठक के बाद सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, क्रांतिकारी जनता पार्टी सद्भावना के आधार पर आंदोलन वापस लेने की घोषणा करती है। हमारी उम्मीद है कि सरकार तय समयसीमा के भीतर

सभी सहमत शर्तों को लागू करेगी। उल्लेखनीय है कि सीजेपी का यह आंदोलन बीते 6 जून को शुरू हुआ था।

**मंगलवार तक लिखित गारंटी**

सौरव दास ने बताया कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने की मांग पूरी तरह स्वीकार कर ली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फैसला सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि भाजपा शासित और भाजपा सहयोगी दलों की सरकारों वाले राज्यों में दर्ज मामलों पर भी समान रूप से लागू होगा। उन्होंने कहा, हमारी दूसरी प्रमुख मांग थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाएं। सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया है। सौरव दास के मुताबिक, सरकार ने भरोसा दिलाया है कि एफआईआर जल्द वापस ली जाएंगी और उनकी आधिकारिक प्रतियां संगठन को उपलब्ध कराई जाएंगी। दिल्ली में लगभग 15 से 20 एफआईआर दर्ज हुई थीं, जिनकी प्रतियां तीन से चार दिनों के भीतर मिल जाएंगी।

सीजेपी ने सरकार को एक ड्राफ्ट सौंपते हुए एफआईआर वापसी और भविष्य में कोई कार्रवाई न करने का लिखित आश्वासन मांगा था, जिस पर सरकार ने मंगलवार तक लिखित गारंटी देने का भरोसा दिया है।

**शिक्षा सुधारों पर 5-सूत्रीय चार्टर**

वार्ता के दौरान सीजेपी ने देश की शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार को लेकर एक 5-सूत्रीय चार्टर भी सरकार को सौंपा। केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि सरकार इस चार्टर का गहन अध्ययन करेगी और सीजेपी के प्रतिनिधिमंडल के साथ आगे भी संवाद जारी रखेगी। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा, आपने शिक्षा सुधारों को लेकर जो चार्टर दिया है, उसका अध्ययन किया जाएगा और आपके प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत बातचीत भी होगी। सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा सुधारों के मुद्दे पर लगभग चार सप्ताह बाद सरकार और सीजेपी प्रतिनिधियों के बीच अगली उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हो सकती है।

**मुआवजे पर भी बनी सहमति**

सीजेपी ने नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के पीड़ित परिवारों के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग भी प्रमुखता से उठाई थी। सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका ने बताया कि सरकार ने नियमानुसार पीड़ित परिवारों को अधिकतम संभव और सम्मानजनक आर्थिक मुआवजा देने पर सहमति व्यक्त की है। प्रवक्ता सौरव दास ने भी पुष्टि की कि सरकार ने नीट से जुड़े आत्महत्या के दुखद मामलों में पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने का ठोस आश्वासन दिया है। सरकार द्वारा प्रमुख मांगें स्वीकार किए जाने और शेष मुद्दों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही सीजेपी ने अपना ▶10 पर

## प्रह्लाद जोशी नये शिक्षा मंत्री

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी अब प्रह्लाद जोशी को सौंप दी गई है। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर उन्हें शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार देने की मंजूरी दी है। हालांकि, उनके पास पहले से मौजूद मंत्रालयों की जिम्मेदारी भी बनी रहेगी यानी फिलहाल वह अपने मौजूदा कामकाज के साथ शिक्षा मंत्रालय का काम भी संभालेंगे।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। इसके बाद प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। यह फैसला ऐसे समय में हुआ है, जब नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर शुरू हुआ छात्र आंदोलन लगातार चर्चा में था। ▶10 पर

## अब क्रेडिट वॉर शुरू : संसद में छिड़ेगा नया संग्राम!

जंतर-मंतर पर चला लंबा आंदोलन भले ही खत्म हो चुका हो, लेकिन इस मुद्दे पर सियासत अभी थमी नहीं है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद विपक्ष इसे अपनी बड़ी जीत बता रहा है। राहुल गांधी से लेकर अखिलेश यादव तक का कहना है कि सरकार आखिरकार जनता के दबाव के आगे झुकने पर मजबूर हुई है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सड़क पर खत्म हुई यह लड़ाई अब संसद के भीतर नए और आक्रामक रूप में दिखाई देगी? शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसे देश के छात्रों की बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से दबाव और अव्यवस्था से जूझ रही है, इसलिए सिर्फ एक मंत्री का इस्तीफा काफी नहीं है। राहुल ने सरकार से पूरी शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी बदलाव की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री से छात्रों से माफी मांगने की बात भी दोहराई। उनके इस बयान से साफ संकेत मिलता है कि कांग्रेस इस मुद्दे को आगामी संसद सत्र में लगातार और जोर-शोर से उठाएगी। वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि छात्रों ▶10 पर

### पांचवीं मंजिल से छलाँग

## पीजी मेडिकल छात्रा ने की खुदकुशी

**(ओम प्रकाश सिरवी)**
**हैदराबाद, 25 जुलाई**

मेड़चल-मल्काजगिरि जिले के नागारम वेस्ट गांधीनगर स्थित भावानी पैराडाइज अपार्टमेंट में शुक्रवार को एक 26 वर्षीय पीजी मेडिकल छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, छात्रा ने अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

मृतका की पहचान दीक्षिता के रूप में हुई है। वह नागारम निवासी वड्लकोंडा आनंदचारी और अरुणा दंपति की पुत्री थीं। दीक्षिता ने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद बेंगलुरु के सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज में एमएस (ऑफ्थैल्मोलॉजी) प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। कॉलेज

में अवकाश होने के कारण वह 17 जुलाई को अपने माता-पिता के पास नागारम स्थित घर आई थीं और परिवार के साथ रह रही थीं।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार लगभग सुबह दीक्षिता ने भावानी पैराडाइज अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी। परिजन उन्हें गंभीर हालत में निकट के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिजनों ने किसी प्रकार के पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न या किसी व्यक्ति पर संदेह व्यक्त नहीं किया है। फिलहाल जांच अधिकारी छात्रा के व्यक्तिगत जीवन, शैक्षणिक परिस्थितियों, मानसिक स्थिति और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल कर रहे हैं। पढ़ाई से जुड़े तनाव सहित सभी पहलुओं को जांच के दायरे में रखा गया है, हालांकि अभी तक किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना से पहले दीक्षिता की किसी से बातचीत हुई थी या नहीं। इसके लिए उनके मोबाइल फोन, कॉल रिकॉर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच की जा रही है। ▶10 पर

## ईरानी 'परमाणु पहाड़' उड़ाने की तैयारी

**नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)।**
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए साफ कहा है, हम पिकएक्स माउंटेन को नष्ट करेंगे। ईरानियों को तैयार रहने को कह दो। यह गंभीर धमकी 2026 के ईरान युद्ध के बीच आई है, जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच चुका है। पिकएक्स माउंटेन ईरान का सबसे गहरा और अत्यधिक मजबूत संदिग्ध परमाणु केंद्र माना जाता है, जो प्रसिद्ध नतांज परमाणु परिसर के बेहद करीब स्थित है। यह गुप्त सुविधा ठोस चट्टानों के अंदर 80 से 100 मीटर या उससे भी अधिक गहराई में बनाई गई है। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि इसे पूरी तरह नष्ट करना पारंपरिक हथियारों से लगभग असंभव है, लेकिन अमेरिका इसे किसी भी कीमत पर काम करने लायक नहीं छोड़ना चाहता। यह धमकी सिर्फ सैन्य नहीं, बल्कि एक बड़ी रणनीतिक चाल भी है। ईरान लगातार अपना परमाणु कार्यक्रम छुपाने और बचाने की कोशिश कर रहा है, जबकि अमेरिका और इज़राइल उसे रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं। ▶10 पर

## राम मंदिर शुद्धिकरण पूरा
### वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और पूर्णाहुति

**अयोध्या, 26 जुलाई (एजेंसियां)।**
उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित भव्य राम मंदिर में भक्तों के चढ़ावे की चोरी के आरोपों के बाद शुरू हुआ 10 दिवसीय प्रायश्चित और शुद्धिकरण अनुष्ठान शुक्रवार शाम पूर्णाहुति के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। मंदिर के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी। यह विशेष अनुष्ठान 15 जुलाई से शुरू हुआ था, जिसका आयोजन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा किया गया था। ट्रस्ट के पदाधिकारियों के मुताबिक, इस अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य धार्मिक विधि-विधान के माध्यम से मंदिर परिसर की पवित्रता को पुनर्स्थापित करना ▶10 पर

जय भिक्षु
अर्हम्
जय महाश्रमण

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश एवं स्वागत समारोह
मंगल प्रवेश : रविवार, 26 जुलाई 2026 प्रात: 10.16 बजे
प्रवेश स्थान : तेरापंथ भवन, डी. वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद
पावन सान्निध्य :
महातपस्वी युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान सुशिष्य मुनिश्री दीपकुमार जी सहवर्ती मुनि काव्य कुमार जी ठाणा -2
योगक्षेम रैली प्रात: 9.00 बजे से
सस्नेह निमंत्रण
स्वागत समारोह प्रात: 10.25 बजे से
योगक्षेम रैली - प्रात: 9.00 बजे से श्री नवरतन जी अमिता जी महनोत के निवास स्थान प्लॉट 5, फेज 2, पैगाह हाउसिंग कॉलोनी, एसपी रोड, रसुलपुरा, बेगमपेट से शुरू होकर तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद पहुंचेगी ।
रैली पूर्व नाश्ते की व्यवस्था 8.15 बजे से महनोत परिवार की तरफ से रक्खी गयी है ।
सम्पूर्ण श्रावक समाज से विनम्र निवेदन है कि सभी गणवेश में सपरिवार सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाएँ।
नोट : कार्यक्रम के पश्चात भोजन की व्यवस्था जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी, सिकंदराबाद की ओर से रखी गई है।
आयोजक : श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद
अध्यक्ष : सुशील कुमार संचेती मंत्री : हेमंत संचेती
सहयोगी संस्थाएँ : जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी, सिकंदराबाद
तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद - तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद
तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद - अणुव्रत समिति, हैदराबाद

# कलियुग की तारनहार गीता

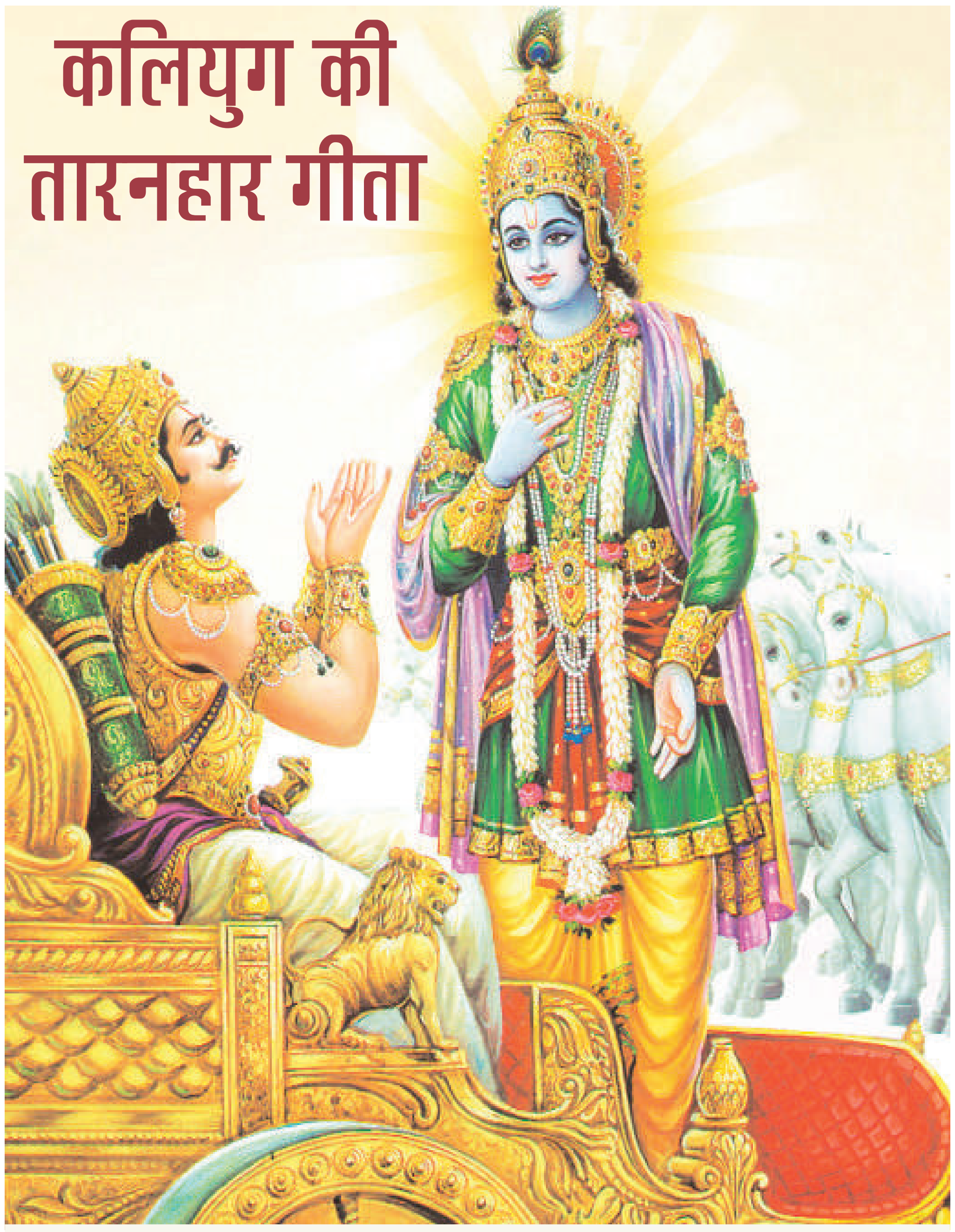

## गीता के अठारह आध्याय

1, अर्जुन विषाद योग 2.सांख्य योग 3. कर्मयोग 4. ज्ञानकर्मसंन्यास योग 5. कर्मसन्यास योग 6. आत्म संयम योग 7. ज्ञान-विज्ञान योग 8. अक्षर ब्रह्मयोग 9. राजविद्याराजगुह्मयोग 10. विभूति योग 11. विश्वरूपदर्शन योग 12. भक्ति योग 13. क्षेत्रक्षेत्रज्ञविभागयोग 14. गुणत्रयविभाग योग 15. पुरुषोतम योग 16. दैवासुर संपद्धिभाग योग 17. श्रद्धात्रयविभाग योग 18. मोक्ष सन्यांस योग।

## ज्ञान, समर्पण और कर्म

गीता का हर श्लोक गागर में सागर है। लेकिन इस पूरे ग्रंथ का सार तीन बातों में छिपा है, ज्ञान, समर्पण और कर्म। ये तीन वो सूत्र हैं, जिन्हें अपनाकर व्यक्ति सफलता की सीढ़ी चढ़ता है। यानी स्वयं को ज्ञानवान बनाकर समर्पण भाव से कर्म में जुट जाएं। ज्ञान, जो बहते जल-सा निर्मल हो, समर्पण, जो गहरे समुद्र-सा अथाह हो और कर्म, जो धरती-सा निस्वार्थ हो।

**जब-जब** कटुता-वैमनस्यता, पृथकता, स्वार्थपरता, अनैतिकता, अत्याचार, अधर्म, पाप रागद्वेष, छलकपट समाज में अव्यवस्थित होते हैं, तो वसुद्या से धर्म विलुप्त होने लगता है। तब-तब भक्तों की रक्षा के लिए ईश्वर को यहां अवतार लेना पड़ता है। यह सब श्री मदभगवद्गीता में कहा गया है—

*'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।*
*अम्युत्थानमधर्मस्य तदात्माने सृजाम्यहम।।*
*परित्राणाय साधूना विनाशाय च दुष्कृताम्।*
*धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।'*

जब दुर्योधन ने धर्मराज युधिष्ठर से कह दिया कि मैं सूई के नोक बराबर भूमि बिना युद्ध न दूंगा, तो विवश होकर धर्मराज युधिष्ठर को युद्ध के लिए प्रस्तुत होना पड़ा। कुरुक्षेत्र स्थान में कौरव व पांडव की सेनाएं अलग-अलग एकत्रित हुई। भगवान श्रीकृष्ण ने कौरव और पांडव दोनों को सहयोग दिया। पांडव की ओर से श्री कृष्ण भगवान ने अर्जुन का सारथी बनना स्वीकार किया और कौरव की ओर उन्होंने अपनी सेना को रखा। जिस समय कौरव व पांडव की सेनाएं युद्ध के लिए आमने-सामने थी, अर्जुन ने भगवान श्री कृष्ण से कहा- भगवान्! रथ को दोनों सेनाओं के बीच ले चलो, ताकि मैं युद्ध करने वालों को देख लूं। भगवान श्री कृष्ण ने रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले गए। तब अर्जुन ने देखा कि युद्ध स्थान पर गुरु द्रोणाचार्य भीष्म पितामह अश्वत्थामा आदि लोग मौजूद थे। साथ ही अर्जुन ने अपने निकटस्थ स्वजन बन्धुओं को अस्त्रों से पूर्ण रुपेण सुसज्जित देखा, तो अर्जुन विचलित हो गए, उनका हृदय द्रवित हो गया।

*'अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावाद्रांश्य भाषते।*
*गतासूनगतासंश्च नानूशोचन्ति पंडित:।।'*

भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को कहा कि तू न शोक करने योग्यों के लिए शोक करता है और पंडितों जैसे वचनों को कहता है। परंतु पंडित जन जिनके प्राण चले गए हैं, उनके लिए और जिनके प्राण नहीं गए हैं उनके लिए भी नहीं शोक करते हैं। *'अनाशिनोऽप्रमेस्य तस्माद्युध्यस्व भारत'* नाशरहित अप्रेमय नित्यस्वरूप जीवात्मा के यह सब शरीर नाशवान कहे गए हैं, इसलिए हे भरतवंशी अर्जुन तू युद्ध कर। 'धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षित:।'

तुम धर्म की हानि कर रहे हो। तुम्हें यह ध्यान नहीं है कि जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी रक्षा स्वयं होती है और धर्म को नष्ट करने वाला स्वयं नष्ट हो जाता है। 'हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा मोक्ष्यसे महीम् मर कर स्वर्ग को प्राप्त होगा अथवा जीतकर राज्य का सुख भोगेगा।'

*'मन्मना भव मद्भक्तों मद्याजी मां नमस्कुरू।*
*मामेवैष्यसि सत्यं ने प्रतिजाने प्रियोऽसि में।।'*

हे अर्जुन! तू केवल मुझ सचिदानन्द वासुदेव परमात्मा में ही अनन्य प्रेम से नित्य, निरंतर, अचल मनबाला हो और मुझ परमेश्वर को ही अतिशय श्रद्धाभक्ति सहित निष्कामभाव से नाम, गुण और प्रभाव के श्रवण-कीर्तन, मनन और पठन-पाठन द्वारा निरंतर भजने वाला हो तथा मेरा (शंख, चक्र, गदा, पद्म और किरीट कुंडल आदि भूषणों से युक्त पीताम्बर वनमाला और कौस्तुम मणिधारी विष्णु का) मन वाणी और शरीर के द्वारा सर्वस्व अर्पण करके अतिशय श्रद्धा भक्ति और प्रेम से ह्विलता पूर्वक पूजन करने वाला हो और मुझ सर्वशक्तिमान विभूति बल एश्वर्य, माधुर्य गंभीरता, उदारता, वात्सल्य और सुहृदयता आदि गुणों से संपन्न सबके आश्रयरूप वासुदेव को विनयभाव पूर्वक भ ति सहित साष्टाडंग दंडवत प्रणाम कर। ऐसा करने से तू (अर्जुन) मेरे को ही प्राप्त होगा। यह मैं तेरे लिए सत्य प्रतिज्ञा करता हूं, अत: तू मेरा अत्यंत प्रिय सखा है।

श्रीमद्भगवद्गीता कहती है कि सत् सनातन है, स्थाई है शाश्वते है, अत: जो है वह है, जो नहीं है, वह नहीं है। 'नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सत:' यह सत् अपना कार्य करता है। स्वर्ण से कुंडल बनता है, तो सोना समाप्त नहीं होता है। कुंडल टूट कर पुन: सोना बन जाता है, इसीलिए कि सोना कुंडल में विद्यमान है, यही सनातनता की सार्थकता है।

*'सर्वोपनिषदों गांवों दोग्द्या गोपालनंदन:*
*पार्थों वत्स: सुधीर्भोक्ता दुग्धं गीतामृतं महत्।'*

श्रीमद्भगवद्गीता को उपनिषदों का मीठा दूध कहा गया है। उपनिषद गाय हैं। दुहने वाला वासुदेव कृष्ण हैं। अर्जुन बछड़ा हैं। पाठक पीने वाले (भोकता) हैं।

*'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फल्षु कदाचन'*

कर्म और कर्म फल दोनों प्रभु को समर्पित हैं। हम तो उसकी अभिलाषा की पूर्ति के माध्यम मात्र है। वही जो चाहे अभिलाषा की पूर्ति ऐसे व्यक्ति को पूर्ण निश्चितता प्रदान करते हैं और उसकी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेते हैं।

'योगक्षेमम् वहाम्ययहम्'। वही प्रभु सबको संसार सागर से पार करते हैं। हमारा कर्तव्य बनता है कि हम इस कल्याणकारी श्रीगीता के ज्ञानयज्ञ को सर्वत्र फैलाएं।

गीता के पठन-पाठन से मनुष्य जीवन का आधार सुदृढ़ होता है। श्री गीता की अलोकिक महिमा है, इसके श्रवण और रसावास्दन से सच्चिदानंद परमात्मा की प्राप्ति होती है।

# स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं वास्तुदोष

**सभी दिशाएं प्रकृति की ही हैं और सभी शुभ हैं। वास्तुशास्त्र तो मात्र प्रकृति में व्याप्त सूर्य की जीवनदायी सकारात्मक ऊर्जा के श्रेष्ठ उपयोग का तरीका बताता है ताकि पृथ्वीवासी स्वस्थ, सुखद व शांतिपूर्वक जीवन जी सकें।**

**आजकल** छोटे या बड़े भवनों की बनावट पहले के भवनों की तुलना में सुंदर व भव्य जरूर हो गई है, लेकिन आर्किटेक्ट मकानों को सुंदरता प्रदान करने के लिए अनियमित आकार को महत्व देने लगे हैं। इस कारण मकान बनाते समय जाने-अनजाने वास्तु सिद्धांतों की अवहेलना हो रही है। महिला हो या पुरुष, उनकी हर प्रकार की बीमारी में वास्तुदोष की अपनी भूमिका रहती है। वास्तुदोष के कारण घर में सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के बीच असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है। इस कारण वहां रहने वालों के शारीरिक व मानसिक रोगी बनने की आशंका होती है।

वैसे तो सभी दिशाएं प्रकृति की ही हैं और सभी शुभ हैं। वास्तुशास्त्र तो मात्र प्रकृति में व्याप्त सूर्य की जीवनदायी सकारात्मक ऊर्जा के श्रेष्ठ उपयोग का तरीका बताता है ताकि पृथ्वीवासी स्वस्थ, सुखद व शांतिपूर्वक जीवन जी सकें। वह भवन, जहां पर प्रात:काल की बजाय दोपहर की किरणें आती हैं वहां रहने वालों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता। दोपहर के समय पृथ्वी पर पड़ने वाली सूर्य की नकारात्मक किरणें (अल्ट्रा वायलेट) होती हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेह होती हैं। इसी कारण वास्तुशास्त्र में दक्षिण व पश्चिम की दीवारों को ऊंचा रखने का प्रावधान है। साथ ही इन दिशाओं में उत्तर व पूर्व की तुलना में कम खिड़की-दरवाजे रखने की सलाह दी गई है ताकि उस घर में रहने वाले सदस्य इन नकारात्मक ऊर्जा से युक्त किरणों के संपर्क में कम से कम आएं तथा ईशान दिशा में स्थित जल स्रोतों पर भी यह किरणें न पड़ सकें।

भवन के ईशान कोण में अधिक खाली जगह रखने का कारण भी सूर्य की गति ही है। जब सूर्य उत्तरायण की तरफ होता है तो दोपहर तक लाभदायक किरणें पृथ्वी पर पड़ती हैं। जब सूर्य दक्षिणायण होता है तो दोपहर के पूर्व ही हानिकारक किरणें पड़नी शुरू हो जाती हैं, क्योंकि दिन छोटे होते जाते हैं। अत: उत्तरायण काल की सूर्य की किरणों का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए ही वास्तुशास्त्र में दक्षिण की अपेक्षा उत्तर में ज्यादा खाली जगह छोड़ने की सलाह दी गई है। जिस घर का नैऋत्य कोण, किसी भी प्रकार से नीचा हो या वहां किसी भी प्रकार का भूमिगत पानी का टैंक, कुआं, बोरवेल, सेप्टिक टैंक इत्यादि हो तो वहां रहने वाले के असामयिक मृत्यु का शिकार होने की आशंका रहती है।

ध्यान रहे वास्तुशास्त्र एक विज्ञान है। घर की बनावट में ही वास्तु अनुकूल परिवर्तन कर वास्तुदोषों को दूर किया जा सकता है। बाकी टोटकों की जरूरत नहीं है।

# श्रीयंत्र उपासना से आती है अमिट सुख-समृद्धि!

**भारतीय** सनातन उपासना पद्धति में श्रीयंत्र उपासना का बहुत महत्व है। इसके बारे में प्राय: एक व्यक्ति कभी न कभी चर्चा छेड़ ही देता है लेकिन पूरी जानकारी न मिलने पर वह इस अद्भुत उपासना से नहीं जुड़ पाता। उत्तरायण में यानी सूर्य की मकर राशि में प्रवेश करने के बाद जब माघ का महीना प्रारंभ होता है इस यात्रा की उपासना प्रारंभ कर देनी चाहिए। तभी दीपावली की रात्रि को यह यंत्र अराधना के बाद फलदायी बनता है। 14 जनवरी से उत्तरायण शुरू हो जाएगा। अत: अपनी एंव राज्स की सुख-समृद्धि चाहने वालों साधकों की उपासना के लिए श्रीयंत्र की उपासना का अनुकूल समय आ रहा है।

### प्राचीन है पद्धति

धन-संपदा और वैभव की देवी महालक्ष्मी की कृपा पाने के लिए श्रीयंत्र की उपासना एवं प्रयोग प्राचीन काल से प्रचलित है। आर्थिक दृष्टि से श्रीयंत्र को समस्त यंत्रों का शिरोमणि और यंत्रराज माना गया है। श्रीयंत्र उस त्रिपुरा महा शिवशक्ति का प्रतीक है, जो धन-वैभव, सुख-समृद्धि एवं संपन्नता की अधिष्ठात्री भी महात्रिपुर सुंदरी के रूप में प्रसद्धि है। ब्रह्मा की उत्पत्ति, स्थिति और पालना की सामर्थ्य प्राप्त करने का कारण भी यही है। जगगुरु आदि शंकराचार्य के अनुसार यदि शिव, शक्ति के सहित होता है। वही शक्ति युक्त अर्थात् सर्व सामर्थ्यवान होता है। शक्ति से रहित हुआ देव शुभाशुभ फल देने योग्य नहीं होता।

शास्त्रानुसार लक्ष्मी सरस्वती एवं ब्रह्माणी तीनों लोकों की संपत्ति, वैभव एवं शोभा का नाम ही श्री है। लक्ष्मी, सरस्वती, धात्री त्रिवर्मसम्पद् विभूति शोभासु। जो ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश इन तीनों से जो पुरातन हो, वही त्रिपुरा है। श्रीयंत्र में पांच त्रिकोण की नोंक ऊपर की ओर और चार त्रिकोण की नीचे की ओर हैं जिनकी नोंक ऊपर की ओर है, उन्हें भगवती की शक्ति का प्रतीक माना जाता है और उसे शिवशक्ति भी कहा जाता है। नीचे की ओर नोंक वाले त्रिकोण कल्याणकारी शिव के प्रतीक हैं। इन्हें श्रीकंठ भी कहते हैं। ऊर्ध्वमुखी पांच त्रिकोण पांच प्राण, पांच ज्ञानेंद्रियां, पांच तन्मात्रा और 5 महातत्वों के प्रतीक हैं। शरीर में यह अस्थि, मेदा, मांस, अवृक और त्वचा के रूप में विद्यमान है।

अधोमुखी चार त्रिकोण शरीर में जीव, प्राण, शुक्र और मज्जा की द्योतक हैं और ब्रह्मांड में मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार के प्रतीक हैं। पांच ऊर्ध्वमुखी और चार अधोमुखी त्रिकोण नौ मूल प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस प्रकार श्री यंत्र में एक आठ दल वाला और दूसरा सोलह दल वाला कमल है। भगवान शंकर के मतानुसार सृष्टि से ऊर्ध्वमुखी त्रिकोण अग्नि, तत्व के वृत्त वायु तत्व के बिंदु आकाश का और भूपुर पृथ्व तत्व का प्रतीक माना जाता है।

श्रीयंत्र की संरचना किसी शुभ मुहूर्त में स्वर्ण पत्र, रजत पत्र, ताम्र पत्र अथवा भोमपत्र पर शुद्धतापर्वूक एवं श्रद्धापूर्वक करवानी चाहिए। तदुपरांत किसी सुयोग्य पंडित से उसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर विधिवत् लाल पुष्पों द्वारा पूजन करना चाहिए। यद्यपि श्रीयंत्र की शास्त्रीय पूजन विधि अत्यंत जटिल एवं विस्तृत प्रक्रिया है, परंतु यहां पर संक्षिप्त विधि का उल्लेख करते हैं-

### संक्षिप्त पूजन विधि

नित्य स्नान पूजा, पाठोपरांत शुद्ध स्वच्छ वस्त्र धारण करें। श्रीयंत्र को लाल वस्त्र एवं मौली लपेट कर लाल चंदन का तिलक लगाकर गंगा जल, मंत्र द्वारा शुद्धि कर आसन पर यंत्र को स्थापित करना चाहिए तथा धूप-दीप द्वारा वातावरण को पवित्र करके श्रीयंत्र के पास शुद्धासन पर पूव को मुख कर बैठें तथा यह मंत्र पढ़ते हुए यंत्र को प्रणाम करें-

'दिव्यां परां सुधवलां चक्रयातां,मूलादि बिन्दुपरिपूर्णा

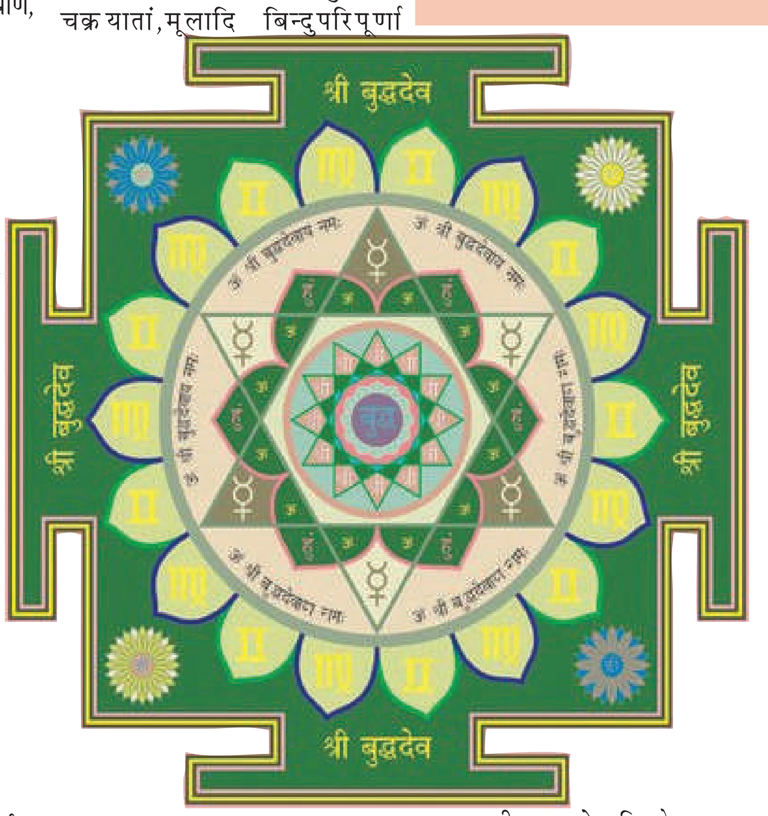


कलात्मरूपाम्। स्थित्वात्मिका शरधनुसृणि पाशहस्तां, श्री चक्रतां सततं नमामि।'

श्रीयंत्र की अधिष्ठानी देवी महात्रिपुर सुंदरी है, अत: यंत्र को प्रणाम करने के बाद निम्न मंत्र द्वारा देवी का ध्यान करें-

*बालार्कयुत तैजसं त्रिनयनां,*
*रक्ताम्बरोल्लासिनी।*
*नानालंकृति राजमान वपुषं बालेन्दु युत शेखरम्।*
*हस्तैरिक्षु धनु: सृर्णि सुरशंर, पाशं मुदा विभ्रतीम्*
*श्रीचक्र स्थित सुन्दरीं, त्रिजगतामाधारभूतां भजे।*

इसके पश्चात् श्रीयंत्र की पंचामृत अथवा गंगा जल से स्नान कराकर लाल चन्दन, अक्षत, रोला, लाल पुष्प, धूप, दीप नैवेद्य अर्पित करते हुए पूजा करें। फिर कलश पर दीप जलाकर चन्दन या रुद्राक्ष की माला से शक्ति के अनुसार सवा लाख, 51 हजार, 31हजार, 21 हजार अथवा 11 हजार या 108 की संख्या में नियमित रूप से प्रतिदिन एक निश्चित समय पर संकल्प पूर्वक करने से अभीष्ट सिद्धि होती है।

मंत्र इस प्रकार से है-

*नम: श्री चक्रस्थेऽखिलमयि नमो बिंदुनिलये।*
*नम: कामेशाक्तं स्थितते नमस्तेऽव ललिते।*
*अथवा*
*नमो हेमाद्रिस्थे शिवशक्ति नम: श्री पुरगते।*
*नम: पद्माख्यां कुतुकिनी नमो रत्नगृहगे।*
*अथवा*
*ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नम:।*

# पिरामिड देते हैं चमत्कारी प्रभाव

**पिरामिड** की मूल धारणा मिस्र के पिरामिडों पर आधारित मानी जाती है। पिरामिड का प्रयोग सही तरह से करने पर ये चमत्कारी प्रभाव देते हैं। भारत तथा दूसरे देशों के मंदिरों और गिरजाघरों को दिये गये पिरामिड सरीखे, इस बात को सिद्ध करते हैं कि पिरामिड की आकृति चमत्कारी शक्ति रखती है। इसकी एकाग्रता की शक्ति को समूचे विश्व ने स्वीकार किया है। इसके अलावा भवन निर्माण कला एवं स्थापत्य कला में इसका एक विशेष स्थान है।

किसी भी स्थिति में यह दावा नहीं किया जा सकता कि पिरामिडों में ऐसा कोई प्रभाव है, जो रातों-रात हमारी उन्नति के रास्ते खोल देगा। घर में पिरामिड की स्थापना से धन की बरसात नहीं होगी और इस संसार में ऐसी कोई वस्तु है भी नहीं, जिसके चमत्कार से ही धन प्राप्त हो सके। हमारे परिश्रम और ईश्वरीय कृपा-दोनों के सम्मिलित सहयोग से ही जीवन में प्रगति की जा सकती है। पिरामिड कोई पारस पत्थर नहीं है कि आपके पिछवाड़े सड़ रहे कबाड़ को सोना बना दे। पिरामिड आपकी मनोस्थिति को परिपक्व बनाने का काम करता है। आपके सोचने और सही निर्णय लेने की क्षमता को द्विगणित कर देता है। पिरामिड सही मायने में एक प्रकार की औषधि है और परहेज पूर्वक किया गया सेवन, आपको रोग मुक्त कर सकता है। लेकिन इसके विपरीत यदि आप किसी औषधि का ठीक से सेवन न करें तो आपके शरीर में रोग की उपस्थिति बनी रह सकती है। ऊपर से चाहे आप स्वस्थ दिखाई दें, लेकिन आन्तरिक रूप से आप कमजोर हो सकते हैं। यही स्थिति पिरामिड की है। आमतौर पर बाजार में सभी तरह की धातुओं, लकड़ी, प्लास्टिक और मिट्टी से बने पिरामिड विभिन्न आकारों में उपलब्ध हैं। विभिन्न पदार्थों से बने ये पिरामिड, एकल और नौ के गुणांक में आसानी से मिलते हैं। यह स्थिति आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकती है कि किसे और कितने आकार के पिरामिड की आपको आवश्यकता है। लेकिन इस समस्या का समाधान भी आपके ही पास है। पहले आप निर्णय करें कि आपको पिरामिड की स्थापना कहां करनी है। आमतौर पर यदि आप अपने ऑफिस की टेबल पर पिरामिड को रखते हैं तो आपके लिए एक बड़े आकार का धातु से बना पिरामिड उपयुक्त है, लेकिन इस पिरामिड को रखने से पूर्व कुछ बातों को ध्यान में रखें।

1. पिरामिड वहीं श्रेष्ठ है, जो धातु से बना हो।

2. दूसरी वरीयता उस पिरामिड को दें, जो मिट्टी का बना हो।

3. तीसरी वरीयता पत्थर से बने पिरामिड की है और चौथा स्थान लकड़ी से बने पिरामिड का है।

4. ये सब वस्तुएं प्रकृति का ही प्रतिनिधित्व करती हैं।

5.प्लास्टिक आदि से बने पिरामिड बेकार हैं, उनको उपयोग में न लाएं। क्योंकि प्लास्टिक से बने पिरामिडों का कोई शुभाशुभ प्रभाव नहीं होता।

6. ऑफिस की टेबल पर रखे पिरामिड का उपयोग कभी भी पेपर वेट के लिए न करें।

7. पिरामिड हमेशा आपके दांई तरफ होना चाहिए। अर्थात् अपने दाएं हाथ की ओर पिरामिड रखें।

8. किसी से बात करते समय पिरामिड को इस प्रकार अपने हाथों में न उछालें कि सामने वाले व्यक्ति को ऐसा आभास हो कि आपके हाथ में कोई खिलौना है।

यदि आप पिरामिड का ठीक प्रकार से उपयोग करते हैं तो निश्चित रूप से समय के साथ आपको इसका लाभ भी प्राप्त होगा। आपको केवल सब्र रखने भर की जरूरत है।

# विकलांगता भी बाधा नहीं...

**द्वार दया का जब तू खोले, पंचम सुर में गूंगा बोले, अंधा देखे, लंगड़ा चल कर पहुंचे काशी रे।**

अर्थात् हे प्रभु जब तेरी दया का द्वार खुलता है तो गूंगा भी पंचम स्वर में बोलने या गाने लगता है, अंधा देखने लगता है और एक लंगड़ा व्यक्ति भी चलकर काशी जा पहुंचता है। कहने का तात्पर्य ये है कि जब प्रभु की दया का द्वार खुलता है तो असंभव भी संभव हो जाता है। कैसे खुलता है उस प्रभु की दया का द्वार? कहां है हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर? हम पर ऐसी कृपा करने वाला वह ईश्वर वास्तव में हमारे अंदर ही विराजमान है। वह हमारी इच्छाशक्ति से ही जाग्रत होता है। उसकी कृपा का द्वार हमारी इच्छाशक्ति की खटखटाहट से ही खुलता है। सगुण-साकार अथवा निर्गुण-निराकार प्रभु की प्रार्थना करके हम अपनी असीमित सुप्त मानसिक शक्तियों को ही जगाते हैं। यह अपने विश्वास को पुष्ट करने का ही एक मार्ग है। वास्तव में सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्पन्न सात्त्विक इच्छाओं का चयन करके हम अपने जीवन में हर खुशी प्राप्त कर सकते हैं। उत्कृष्ट इच्छाशक्ति द्वारा हम असंभव से लगने वाले कार्यों को करने में सक्षम हो जाते हैं। कुछ ऐसी ही उत्कृष्ट इच्छाशक्ति थी विल्मा रुडोल्फ नामक एक पोलियोग्रस्त बालिका में जो विश्व पटल पर तेज धाविका के रूप में अपना नाम अंकित करवाना चाहती थी। वर्ष 1960 में इटली की राजधानी रोम में होने वाले ओलंपिक खेलों पर सारे विश्व की निगाहें टिकी हुई थीं क्योंकि इन ओलम्पिक खेलों में विल्मा रुडोल्फ भी भाग ले रही थी।

## बच्चे को ऐसे बनाएं स्मार्ट...

**आप** अपने बच्चे को स्मार्ट बनाना चाहती हैं? तो यह काम अब मजाक-मजाक में ही हो जाएगा। हाल की स्टडी में यह बात सामने आई है कि बच्चों से दोस्ताना व्यवहार उनके दिमागी विकास में काफी कारगर है। आपका रोजाना का हंसी मजाक आपके बच्चे को तेज दिमाग बना सकता है। स्टडी में यह पता चला कि बच्चों से हंसी-मजाक करने से बच्चे को दिमाग विकसित होता है वो धीरे-धीरे मजाक और डांट में फर्क समझने लग जाते हैं। एक बार फर्क समझ आने के बाद वो पैरेंट्स के बिहेवियर में फर्क को भी समझना शुरू कर देते हैं। बच्चों के लिए खेल बहुत जरूरी होता है। खेल बच्चे के दिमागी विकास में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। जो पैरेंट्स बच्चों के साथ नाटक और जोक करते हैं वो अपने बच्चों के दिमाग में जल्द विकास देखते हैं। क्योंकि वो बच्चे मजाक और सच्चाई में फर्क समझने में सक्षम हो जाते हैं। इन सबके साथ यह जानना भी जरूरी है कि आप किस तरह के जोक अपने बच्चे से करते हैं। थोड़ा अलग और क्रिएटिव पैरेंट बनिए और अपने बच्चे को इंटेलिजेंट बनाइए। मजाक-मजाक में अपने बच्चों को वो चीजें सिखाइए जो वो सीखने से कतराता हो।

## लाड़ली को सिखाएं ये बातें...

**पैरेंट्स** होने के नाते बच्चों को बेहतर इंसान बनाना आपका फर्ज है। इस समय में बच्चों को खुद की सुरक्षा के प्रति सजग रहना सिखाना सबसे जरूरी है। खासकर लड़कियों के मामले में। अपनी मासूम बेटी को बढ़ती उम्र में उसकी जिंदगी और बाहर की दुनिया के बारे में जरूरी सीख देना बेहतर पेरेंटिंग का हिस्सा है। आजकल लड़कियों के साथ जो अत्याचार हो रहे हैं इस बारे में उससे खुल कर बात करें और जरूरी लगे तो उसे सेल्फ प्रोटेक्शन के लिए ट्रेनिंग भी दिलवाएं। अपनी बेटी को स्वाभिमानी बनाएं। उसे यह बताना बहुत जरूरी है कि वह जैसी है सबसे बेहतर है। स्वाभिमान उसमें आत्मविश्वास जगाएगा। बेटी को यह जरूर सीखाएं की अपने काम किसी और पर न थोंपे। जितना हो सके खुद अपने आप पर निर्भर बने। उसे अपने पैरों पर खड़े होने की अहमियत समझाए ताकि आगे चलकर उसे किसी तरह की परेशानी न हो।

## ...तो बच्चा बनेगा जीनियस

**अगर** आपका बच्चा मुश्किल से स्कूल से कोई सबक याद कर पाता है तो चिंता की बात नहीं है, आप अपने बच्चे को टोस्ट, कॉफी और स्वादिष्ट रोल में दालचीनी खिला कर उसके सीखने की क्षमता में सुधार कर सकती हैं। भारतीय मूल के एक शोधकर्ता के नेतृत्व में चूहों पर हुए एक अध्ययन के अनुसार, दालचीनी के सेवन से कमजोर स्मृति वाले चूहों में बेहतर और सामान्य स्मृति वाले चूहों में अच्छे स्मृति स्तर देखने को मिले। अमेरिका की शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कालीपद पहान के मुताबिक कमजोर छात्रों को बेहतर छात्र बनाने के लिए यह सबसे सुरक्षित और आसान तरीका हो सकता है।

# हेयर कलर कराते समय न करें गलतियां...

एक वक्त था, जब लोग सिर्फ सफेद बालों को छुपाने के लिए बालों को रंगते थे, लेकिन आजकल बालों को अलग-अलग रंग कराना फैशन बन गया है। हर कोई अपने लुक को बदलने के लिए अलग-अलग तरह के कलर करवा रहे हैं। कुछ लोग महंगे सलून में जाकर हेयर कलर करवाते हैं, कुछ लोग घर पर ही कलर करते हैं, लेकिन आपने कभी सोचा है कि गलत तरीके से बालों को कलर करना बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

**बालों** में कलर करने का चलन पिछले कुछ सालों में तेजी के साथ बढ़ा है। एक आंकड़े के मुताबिक करीब 75 फीसदी महिलाएं अपने बालों में रंग कराती हैं। आजकल बालों को कलर करने के लिए बाजार में बहुत सारे शेड मिलते हैं, जैसे, सेमी परमानेंट और परमानेंट हेयर कलर। सेमी परमानेंट कलर कुछ समय बाद बालों को शैंपू करने से निकल जाता है। वहीं दूसरी तरफ परमानेंट हेयर कलर कुछ हफ्तों तक आराम से चलता है। आप वहीं कलर चुनें जो आपकी स्किन टोन पर सही लगता हो। कितनी महिलाएं हैं जो अपने बालों को कलर करवाती हैं। कई को यह पता ही नहीं होता कि कौन-सा कलर उन पर जमेगा, बाल कलर करने के लिए क्या करना चाहिए, बाल कलर कराने के क्या-क्या फायदे-नुकसान हैं, किन बातों का ध्यान रखें इत्यादि।

बालों को कलर कराना आज का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। आज महिलाएं बालों पर नए-नए प्रयोग करने से भी नहीं चूकतीं, लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। जरा-सी लापरवाही से आप अपने अच्छे बालों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बालों को कलर करवाने से पहले आपको एलर्जी का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि कई बार कुछ कलर या डाई बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में यदि आपको अमोनियायुक्त डाई सूट न करें तो आप प्रोटीनयुक्त डाई का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसके लिए आप हेयर एक्सपर्ट या ब्यूटी पार्लर में जाकर परामर्श ले सकती हैं।

## व्यक्तित्व का ध्यान रखें

हेयर कलर करवाने वालों को बाद में त्वचा संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जैसे बालों की कोमलता जाने का डर, बाल जल्दी सफेद होना इत्यादि। हेयर कलर में मिला अधिक अमोनिया बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हेयर कलर कई तरह के हो सकते हैं जैसे बरगंडी, डार्क ब्राउन, रेड कलर, नेचुरल, गोल्ड, चॉकलेट, चेरी ब्राउन, रेड इत्यादि। कलर का चयन करते समय आप अपने व्यक्तित्व का ध्यान जरूर रखें। बालों को घर पर ही कलर कर रही हैं तो हाथों में दस्तानों का प्रयोग जरूर करें और आंखों का खासतौर पर ध्यान रखें। डाई के किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव से बचने के लिए आपको पहली बार किसी अनुभवी व्यक्ति से ही बाल कलर करवाना चाहिए। बालों को कलर करने से पहले उन्हें पहले धोकर सुखा लें और बालों को कंघी के एक सिरे से उठाते हुए कलर करें। यदि आप खुद बालों को कलर करती हैं तो उसके बाद बालों में शैंपू और कंडीसनर करना न भूलें। हेयर स्पा और सीरम ट्रीटमेंट तो किसी अनुभवी व्यक्ति से ही करवाना चाहिए। यदि आप पहली बार घर पर ही बालों को कलर कर रही हैं तो बालों को डाई करने वाले पैकेट पर लिखे दिशा-निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें।

## क्वॉलिटी पर दें ध्यान

आमतौर पर हेयर कलर बालों में चमक लाने, नया लुक पाने, सफेद बालों की परेशानी को दूर करने, बालों को पहले से बेहतर बनाने और बालों में जान डालने के लिए किया जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हेयर कलर हमेशा अच्छी क्वॉलिटी का ही प्रयोग करें। यदि आप घुंघराले बालों को स्ट्रेट कराना चाहती हैं तो कलर करवाने के 15-20 दिनों के बाद ही ऐसा करवाएं। एक साथ दोनों काम कराने पर बालों पर केमिकल का दबाव अधिक पड़ता है। इससे बाल खराब हो सकते हैं। यदि आप व्यस्त दिनचर्या वाली हैं तो आपको हल्के हेयर कलर का ही इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके बालों को अधिक नुकसान नहीं पहुंचने देगा। बालों पर कलर करवाने के लिए विश्वस्त तथा गुणवत्तापूर्ण पार्लर को ही चुनें। यदि आपको किसी तरह की एलर्जी, डैंड्रफ या अन्य तकलीफ है, तो कलर करवाने से बचें। सोच-समझकर डाई करवाएं क्योंकि एक बार रंग चढ़ने के बाद उसे उतारने में बालों को नुकसान होता है। इससे बाल टूटते और झड़ते भी हैं।

## दो मुंहे बाल

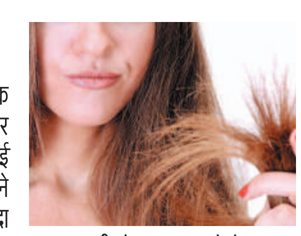

कलर करवाने से पहले दो मुंहे बाल चेक करें, और इन्हें ट्रिम करवा लें। हेयर कलर करने से दो मुंहे बाल रूखे दिखाई देते हैं। कलर करवाने से पहले अपने बालों को एक रात पहले ही धो लें। ज्यादा साफ और गंदे बाल, दोनों ही चीजें हेयर कलर का सही शेड छुपा सकते हैं।

## हैड मसाज

कलर करवाने से 3 दिन पहले बालों में गुनगुने तेल से मालिश करें, इससे कलर अच्छी तरह से चढ़ेगा। अगर आप घर पर ही अपने बालों को रंगने वाली हैं तो अमोनिया, कोलतार और लेड जैसे कैमिकल वाले कलर से बालों को डाई न करें क्योंकि इससे बाल खराब हो सकते हैं।

## बाद में क्या करें

कलर करवाने के बाद बालों को 48 घंटों तक शैम्पू से न धोएं, जिससे कलर अच्छी तरह से बालों में समा जाए। जब भी बाल धोएं तो ऐसे शैंपू का इस्तेमाल करें जो कलर वाले बालों के लिए बनाया गया हो। बालों को धूप की किरणें काफी नुकसान करती हैं इसीलिए धूप में जाते वक्त बालों को ढ़क कर रखें।

## कैसे पानी से धोएं बाल

बालों को धोने के लिए हल्के गरम या ठंडे पानी का ही प्रयोग करें क्योंकि बहुत ज्यादा गरम पानी बालों का रंग उड़ा सकता है। कलर करवाने के हर 2 हफ्ते बाद बालों को प्रोफेशनल हेयर स्पा ट्रीटमेंट दें। इससे बालों में नमी बरकरार रहेगी और कलर भी वैसे का वैसा ही बना रहेगा।

## कुछ समय धूप से बचाएं

जब बालों को कलर करवाया हो तो कुछ समय तक सिर पर कपड़ा रख कर चले। कलर बालों को कुछ समय तक धूप से बचाने के लिए बाहर जाते समय सर पर कपड़ा रख कर चले।

## कैसे पहचाने रिएक्शन को

हेयर डाई से होने वाला एलर्जिक रिएक्शन मामूली असर वाला या फिर गंभीर दोनों हो सकता है। बालों में कलर करने के बाद यदि आपको सिर की त्वचा में मामूली जलन या सनसनाहट महसूस होती है तो यह एलर्जी की शुरुआत होती है। यदि कलर करने के बाद आपके माथे, कान, गर्दन के पीछे सूजन और आंखों में जलन की शिकायत होती है तो यह एलर्जी का गंभीर मामला होता है। आप को तुरंत डाक्टर को दिखाना चाहिए।

## ऐसे बचें एलर्जी से

कुछ सावधानी बरत कर हेयर डाई से हो सकने वाले नुकसान से बच सकते हैं। ऐसा करने से आपके सिर के बाल ज्यादा समय तक ठीक रहेंगे। जब भी आप किसी नए ब्रांड को इस्तेमाल करें तो पहले उसके बारे में अच्छे से जानकारी कर लें। ऐसा देखा गया है कि कई बार कुछ लोग कलर बदलने से एलर्जी का शिकार हुए हैं। कोशिश करें कि आप लगातार एक ही अच्छा ब्रांड उपयोग करें। एलर्जिक अटैक से बचने के लिए पैच टेस्ट अच्छा उपाय है। पैच टेस्ट, किसी प्रोडक्ट के प्रति आपकी त्वचा की संवेदनशीलता को दर्शाता है। इसके साथ ही आपको एलर्जिक रिएक्शन से भी बचाता है। हेयर डाई का मिश्रण बनाते समय लेबल पर दिए गए निर्देशों को पढ़ लें। कान के पीछे का हिस्सा सबसे ज्यादा संवेदनशील होता है। यह किसी भी प्रकार के एलर्जिक रिएक्शन के लक्षणों को तुरंत दिखाता है। आप रुई के टुकड़े को हेयर डाई के मिश्रण में डुबाकर कान के पीछे लगा लें। इसे 10 घंटे तक लगाकर रखने से आप एलर्जी के प्रकोप से बचे रहेंगे।यदि आप हेयर डाई को निर्धारित समय से ज्यादा लगाकर रखते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकती है। यदि आपको एलर्जिक रिएक्शन होने का खतरा लगता है तो किसी भी परेशानी से बचने के लिए पानी की धार से अपने बालों को धो लें। इससे हेयर कलर आपके बालों से साफ हो जाएगा।

## इन बातों का भी रखें ध्यान

- महिलाएं कई बार आप फैशन में आकर बालों को कलर तो करवा लेती हैं, लेकिन बाद में उनका कलर बड़ी जल्दी फेड हो जाता है। उन्हें लगता है कि यह ब्यूटीशियन की गलती है। इसलिए कलर करवाने से पहले आप कुछ बातों को जान लें।
- बालों में लंबे समय तक कलर को बनाएं रखने के लिए आप कलर प्रोटेक्टिंग प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते समय शैंपू या कंडीशनर का इस्तेमाल करना बंद करना पड़ेगा।
- 1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर में आधा कप पानी मिला लें और बालों को धो लें। इससे आपके बालों में लगा कलर और भी अधिक गहरा हो जाएगा।
- बालों को बार-बार ना धोएं, ऐसा करने से बालों का कलर निकल जाता है। बालों के रंग को लंबे समय तक टिकाने के लिए आप कम से कम शैम्पू करें।
- बालों की माह में एक बार डीप कंडीशनिंग करें और प्रत्येक शैम्पू के बाद कंडीशनर का उपयोग करें।
- बालों को कलर करवाने के लिए जरूरी है कि आप 4-5 महीने पहले बालों में मेहंदी न लगाएं।
- कलरिंग के बाद डैंड्रफ शैंपू के प्रयोग से परहेज करें। दरअसल, डैंड्रफ शैंपू में मौजूद केमिकल्स बालों से कलर उड़ा सकते हैं।
- हफ्ते में एक बार बालों में तेल लगाएं। बाल सुखाने के लिए ड्रायर का प्रयोग नहीं करें।
- हेयर प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट जरूर चेक कर लें, नहीं तो बालों पर इसके दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

# पैरों की सेहत का रखें ध्यान

पैर हमारे लिए क्या कुछ नहीं सहते। ऐसे में पैरों की सही देखभाल करना हमारा दायित्व बनता है। जानिए कैसे हम अपने पैरों की सही तरीके से देखभाल कर सकते हैं। हमारे हाथों की तुलना में पैरों की त्वचा अधिक मोटी होती है जिसकी रोजाना देखभाल नहीं करने से यह समय के साथ गंदी हो जाती है। अनेक लोगों को फटी एड़ियों की समस्या का सामना करना पड़ता है जो लम्बे वक्त में पैरों के स्वास्थ्य पर ध्यान न देने के कारण होती है।

**माइश्चराईजिंग:** हमारे पैरों की डेड त्वचा सेल्स को एक्सफॉलिएटेड करने की जरूरत होती है और नियमित माइश्चराईजिंग त्वचा को सूखने से बचाने के लिए महत्त्वपूर्ण है अन्यथा पैरों में बिवाईयां फट सकती हैं जिनमें खून भी आ सकता है। आपके पैरों की माइश्चराईजिंग चेहरे की देखभाल जैसी महत्वपूर्ण है। हर बार स्नान के वक्त पैरों को अच्छी तरह धोने या स्क्रब करने की आदत डालें। इससे आपके पैरों की केयर आसान हो जाती है।

**चलने का स्टाइल:** पैरों की त्वचा के साथ फ्रिक्शन की संभावना ज्यादा होती है जिसके लिये सही तरीके से फिट न होने वाले जूते या चलने का गलत स्टाईल जिम्मेदार होता है। पैर के तलुवे पर एक ही बिन्दु पर लगातार दबाव पड़ने से कॉर्न और कॉलस विकसित हो जाते हैं त्वचा कड़ी हो जाती है और बाद में इसमें दर्द हो सकता है।

**प्यूमिस स्टोन से स्क्रब:** झांवा पत्थर यानी प्युमिस स्टोन से पैरों की स्क्रबिंग करना डेड सेल्स को हटा सकता है और पैरों में समस्याएं उत्पन्न होने की रोकथाम में मदद करता है। प्युमिस स्टोन या फुट स्क्रब से स्क्रबिंग करके कार्न्स और कॉलसेज से बचाव करें यह डेड त्वचा को हटाने में मददगार है जो बाद में कड़ी और मोटी होना शुरू हो जाती है और चलने-फिरने के समय दर्द उत्पन्न करती है।

## तलुवों की देखभाल

पैरों के तलुवों को मुलायम रखने के लिये इनमें कोई ऑयल ग्लैंड्स नहीं होतीं इसलिए किसी क्रीम को नियमित लगाने का रूटीन बनाना जरूरी है। यदि आपके पैर अत्यंत सूखे हैं और त्वचा कटी-फटी है तो रात में सोने जाने के वक्त किसी हैवी ड्यूटी मॉइश्चराईजर या पेट्रोलियम जेली का अच्छी तरह प्रयोग करें और बेहतर अवशोषण के लिये इसे कॉटन सॉक्स से कवर करें।

## जूते हों सही

सही तरह से फिट आने वाले जूते पहनें क्योंकि ढीला या ज्यादा कसा जूता आपके पैरों को सही तरह से सहारा न देकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। नये जूतों की खरीदारी दोपहर के काफी बाद या शाम के वक्त करें क्योंकि कुछ एक्सपर्ट मानते हैं कि दिन के दौरान हमारे पैरों में कुछ सूजन आ जाती है।

## हाइजीन का ध्यान

हमारे पैरों में फंगल इंफेक्शन होने की आशंका ज्यादा होती है और इससे बचाव के लिए हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पैरों को कभी भी गीला नहीं रखना चाहिए इन्हें अच्छी तरह से खासकर अंगूठों के बीच की जगह को सुखा लेना चाहिए। पैरों के नाखून नेल कटर की सहायता से सही तरह से काटने चाहिये। पैर दर्द करते हैं तो आप इन्हें सी सॉल्ट मिले गुनगुने पानी में डुबो सकते हैं। इससे दर्द से राहत मिलती है। अपने पैरों को रिलैक्स करने के लिये आप हाथों से हल्के गूंधते हुए तलुवों की मसाज कर सकते हैं। हल्के से हाथों को घुमाने और सॉफ्ट मसाज से आपके पैरों को रिलैक्स होने में मदद मिलती है।

# सक्सैस के लिए परफेक्शन-पैशन जरुरी

*तेजी से बदलते जमाने और टेक्नोलॉजी के इस दौर में अपनी जगह व पहचान बनाने के लिए अपनी पसंद के क्षेत्र में पैशन होना बेहद जरूरी है, तभी आप परफेक्शन के साथ अपने टास्क पूरे करते हुए कामयाबी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। जानिए अपनी रुचि के क्षेत्र में पैशन होना क्यों है जरूरी है...*

अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसे पैशन बनाकर आगे बढ़ने वाले कभी भी भटकाव या दुविधा के शिकार नहीं होते। दरअसल, अपनी रुचि के क्षेत्र में पूरी तरह डूबकर ही वे अपनी मंजिल को आसान बना पाते हैं। जो दूसरों को देखकर उनकी राह का अनुकरण करने का प्रयास करते हैं, वे अपने भीतर छिपे गुणों को देख नहीं पाते। यही कारण है कि वे अपने मन की राह पर चलने की बजाय भटकाव के चौराहे पर पहुंच जाते हैं। जहां पहुंच कर उन्हें यह सूझता ही नहीं कि अब किस राह पर वे आगे बढ़ें।

## सेल्फ एनालिसिस

दूसरों की तरफ देखने की बजाय सबसे पहले तो आप यह देखें कि आपको क्या अच्छा लगता है, आपकी रुचियां किस तरह की हैं, किस तरह के काम करने में आपको मजा आता है और क्या करना अच्छा नहीं लगता? इस प्रक्रिया में आपको अपनी रुचि का क्षेत्र जानने-समझने में सहायता मिल सकती है। एक बार अपने मन का क्षेत्र चुन लेने के बाद आप उस पर कदम आगे बढ़ाएं। इसके लिए जरूरी कोर्स करें या ट्रेनिंग हासिल करें। थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल पर भी जोर दें। सिर्फ किताबी बातों की बजाय आज के समय की व्यावहारिक बातों और इंडस्ट्री में प्रचलित तकनीकों को जानें-समझें। जो कुछ भी सीखें, उसमें पूरी तरह डूबें। लापरवाही या आधे-अधूरे मन से आप कभी कुछ नहीं सीख सकते। अगर अपने को परफेक्ट बनाना चाहते हैं, तो सीखने में जी-जान लगा दें। इसके बाद आप खुद देखेंगे कि कोई चीज सीख लेने के बाद आपका कॉन्फिडेंस कितना बढ़ता है। इस तरह से आगे बढ़ने पर आपको कभी काम नहीं ढूंढ़ना पड़ेगा, बल्कि इसके उलट काम आपके पीछे-पीछे चलेगा। हुनर के पारखी लोग आपको बुलाकर नौकरी देंगे।

## क्या आप जानते हो

# बहादुर बब्बर शेर

**अगर** यह प्रश्न पूछा जाए कि जंगल का राजा कौन है, तो शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे मालून न हो कि शेर जंगल का राजा है। बहुत पुराने समय से उसे शक्ति और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता है। भारत ने भी उसे अपने राष्ट्रीय चिन्ह में स्थान दिया है। वह पशुओं में सबसे अधिक रोबीला और बहादुर है। बिल्ली जाति का वह एकमात्र पशु है, जिसके नर की गर्दन दर्शनीय अयाल से सुशोभित रहती है। शेर की शारीरिक गठन, बनावट और आदतें घरेलू बिल्ली के समान होती हैं।

एक समय था, जब शेर बब्बर उत्तरी भारत के अधिकांश मैदानी जंगलों में पाया जाता था, किंतु अब उनकी संख्या काफी कम हो गई है। अपनी निर्भीकता के कारण वह सरलता से मारा गया। भारत में उनके संरक्षण के लिए गिरनार में एक संरक्षित वन बनाया है जहां लगभग दो सौ शेर है।

भारतीय शेर की लंबाई 2.5 मीटर से 2.9 मीटर और वजन 200 से 250 किलोग्राम होता है। वह समाज प्रिय पशु है और झुंड बनाकर रहता है। एक झुंड में दो तीन शेर कुछ शेरनियां और बच्चे होते हैं। वे मिलकर शिकार करते हैं, जिसमें प्रमुख भाग शेरनियां लेती हैं। शिकार पर पहला अधिकार शेर का होता है, शेरनियां व बच्चे बाद में खाते हैं। तीन वर्ष से बड़े शेर अपना नया झुंड बनाते हैं। दिन के समय शेर किसी घनी झाड़ी में सोया रहता है, शाम होते ही उसे भोजन प्राप्त करने की चिंता होती है। प्राय: वह जलाशय को जाने वाले मार्ग के किनारे दुबककर बैठ जाता है।

# जुगनू कैसे चमकते हैं ?

**अंधेरी** रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं। जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है। पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे। जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

# कुदरत का खूबसूरत अजूबा विक्टोरिया जलप्रपात

**आकर्षक** उद्यानों वाले पठार, ऊंची-ऊंची पर्वत श्रेणियां, रोमांचक वन्य जीवन, समुद्र जैसी विशाल झीलें और मनमोहक जलप्रपात, यह सब कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जिनकी वजह से बार-बार अफ्रीका जाने को मन करता है। अफ्रीका की प्राकृतिक खूबसूरती में जो चीज सबसे अधिक हैरान करती है वह है भव्य विक्टोरिया जलप्रपात। इस जलप्रपात को कुदरत का खूबसूरत अजूबा ही कहा जा सकता है।

ऐसा अनुमान है कि प्रति मिनट जैंबेजी नदी का लगभग 55 लाख घन मीटर पानी घाटी में नीचे गिरता रहता है और इस घाटी के सामने के छोर से, जोकि नदी के तट जितना ही ऊंचा है, का आनंद आप ले सकते हैं। इस प्रपात को एक किनारे से दूसरे किनारे तक देखने के लिए आपको कार द्वारा या फिर पैदल पुल पार करके जिम्बाब्वे की सीमा में प्रवेश करना होगा। यह पुल जलप्रपात से 700 मीटर दक्षिण में स्थित है और इस पर खड़े होकर आप इसका पूरा नजारा देख सकते हैं।

विक्टोरिया जलप्रपात के आसपास लोग हजारों साल से रहते आ रहे हैं, लेकिन बाहरी दुनिया को प्रकृति के इस आश्चर्य से परिचित कराने का श्रेय एक स्काटिश मिशनरी डेविड लिविंग्सटन को जाता है। 1855 में एक छोटी सी नाव में बैठ कर वह यहां पहुंचा था। उसी ने उस समय की परंपरा के अनुसार इंग्लैंड की महारानी के नाम पर इसे विक्टोरिया जलप्रपात नाम दिया और उसके नाम पर इस शहर का नाम पड़ा लिविंग्सटन।

इस जलप्रपात का सबसे पुराना नाम शोंगवे था, जो इस क्षेत्र में बसे टोकलेया लोगों ने इसे दिया था। उसके बाद एंडेबेले लोग यहां आकर बसे और उन्होंने इसे बदल कर अमांजा थुंकुआयो कर दिया, जिसका अर्थ हुआ, धुएं में बदलता हुआ पानी। अंत में मकालोलो लोगों ने इसे एक नया नाम दिया मोस औ तुन्या, यानि गरजता हुआ धुआं। स्थानीय लोगों में आज भी यही नाम प्रचलित है। पिछले लगभग साढ़े पांच लाख वर्षों के दौरान यह जलप्रपात अपना स्थान बदलता रहा है। इस प्रक्रिया के दौरान नदी अब तक सात घाटियां पीछे छोड़ कर अपने वर्तमान स्थान पर पहुंची है। यहां आपको पानी तथा कीचड़ में अपने स्थूल शरीर को छिपाने का प्रयास करते हिप्पो भी देखने को मिल जाएंगे।

आसपास के वनों में आपको एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते बंदर भी नजर आएंगे साथ ही अनेक प्रकार के पक्षियों का कलरव भी आपका मन मोह लेगा। यहां का विक्टोरिया राष्ट्रीय उद्यान हाथी, अफ्रीकी भैंस, शेर तथा अन्य वन्य पशुओं से भरा पड़ा है। नदी में बड़े-बड़े खतरनाक मगरमच्छ भी हैं इसलिए इसमें नहाना सुरक्षित नहीं है। यहां सूर्योदय तथा सूर्यास्त देखने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से दिसंबर के बीच ही होता है, उस समय नदी में पानी भी ज्यादा नहीं होता और आकाश भी साफ होता है। आधुनिक पर्यटकों के मनोरंजन के लिए यहां पैराशूटिंग और जैंबेजी पुल से बंजी जंपिंग जैसे रोमांचक खेलों की व्यवस्था है। मछली पकड़ने के शौकीनों के लिए कुछ विशेष नौकाएं भी यहां उपलब्ध हैं जो नदी के अंदर ले जाकर आपके इस शौक को पूरा करती हैं। विक्टोरिया जलप्रपात को देखने के बाद आप यह अवश्य ही महसूस करेंगे कि प्रकृति का इससे अधिक रोमांचक, नाटकीय, भव्य तथा विलक्षण रूप शायद ही कहीं अन्यत्र देखने को मिले।

# पृथ्वी जैसा एक ग्रह मौजूद है सौर मंडल में

**सौरमंडल** में अनेक ग्रह, नक्षत्र उपस्थित हैं, इनके बारे में पता लगाने की लगातार कोशिशें चलती रही हैं। हाल ही में अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के सौरमंडल के बाहर पृथ्वी जैसे ही एक ग्रह की उपस्थिति का पता लगाया है जिसका आकार पृथ्वी जितना ही है। इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 3 गुना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चूंकि इस ग्रह की बहुत सी विशेषताएं पृथ्वी से मिलती जुलती हैं; इसलिए इस पर जीवन की सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

वैज्ञानिकों ने 'गोल्डीलॉक्स जोन' नामक इस नए ग्रह में पानी होने की सम्भावना भी व्यक्त की है, उनका कहना है कि यह ग्रह जिस तारे की कक्षा में है उससे इसकी दूरी न तो बहुत कम ही है न ही बहुत ज्यादा इसलिए इस ग्रह पर पानी के तरल अवस्था में मौजूद होने की पूरी सम्भावना है। खोजे गए इस नए ग्रह की एक और विषेशता है जो हमारी पृथ्वी से मिलती-जुलती है वह ये कि वातावरण और गुरूत्व के लिए भी यह ग्रह न तो बहुत बड़ा है और न ही बहुत छोटा। पृथ्वी से 20 प्रकाशवर्ष दूर स्थित यह ग्रह 'ग्लीज 581' तारे की कक्षा में चक्कर लगा रहा है। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 37 दिनों का समय लगता है। इस ग्रह के एक भाग में अंधेरा है। इसके 'ग्रे' जोन में जीवन की सम्भावना है। खगोलविद स्टीवन का कहना है कि यदि खोजे गए इस नए ग्रह को अन्य वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकृति मिल गई तो यह पृथ्वी से मिलता जुलता पहला ग्रह होगा।

नए ग्रह की यह खोज हवाई स्थित 'डब्ल्यूएम कैक ऑब्जरवेटरी' में किए 11 साल के अध्ययन का परिणाम है। इस नए ग्रह की खोज के साथ ही हमारे सौरमंडल के बाहर खोजे गए ग्रहों की संख्या 400 से भी अधिक हो गई है। गौरतलब है कि हाल ही में खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे आकाशीय पिंड की पहचान की थी जिसका आकार पृथ्वी से दोगुना था, किन्तु इस ग्रह का अपने तारे के बहुत निकट होने के कारण इस पर जीवन की संभावना नहीं की जा सकी। परन्तु अब इस नए ग्रह की खोज ने अवश्य ही हमारे अलग पृथ्वी बसाने की नई उम्मीदें जगा दी हैं।

# नकली हीरा

**एक दिन** बादशाह अकबर के दरबार में एक हीरे का व्यापारी आया। उसने बादशाह के सामने सात हीरे रखे और कहा, 'हुजूर, ये दुनिया के सबसे महंगे हीरे हैं, लेकिन इनमें एक हीरा असली नहीं है, वो शक्कर से बना हुआ है। मैं सारी दुनिया घूम आया हूं, पर कोई भी व्यक्ति पहचान नहीं कर पाया है कि इनमें से नकली हीरा कौन-सा है। क्या आपके दरबार में ऐसा कोई बुद्धिमान व्यक्ति है जो शक्कर से बने हीरे को पहचान सकता हो?'

बादशाह ने तुरंत अपने दरबारियों को हुक्म दिया और उनसे मीठा हीरा पहचानने को कहा, लेकिन उनमें से कोई भी व्यक्ति मीठे हीरे को पहचान नहीं पाया। इस पर बादशाह ने बीरबल को बुलाया और उसे नकली हीरा ढूंढने को कहा। बीरबल ने हीरों को देखा और कहा, 'बादशाह सलामत, आप मुझे कल तक का समय दें, मैं इन हीरों में से नकली हीरे को पहचान सकता हूं।'

दूसरे दिन बीरबल जलेबी का एक टुकड़ा लिए दरबार में आया। जलेबी पर मक्खियां भिनभिना रही थीं। बीरबाल ने जलेबी का टुकड़ा खिड़की से बाहर फेंक दिया। बादशाह ने बीरबल को टोकते हुए कहा, 'यह क्या तमाशा है?'

बीरबल बोला, 'बस देखते जाइए। हुजूर मैं क्या करता हूं।' जलेबी बाहर फेंकते ही मक्खियां उड़कर शक्कर से बने हीरे पर जा बैठीं। बीरबल चिल्लाया, 'हजूर, यही है नकली मीठा हीरा।'

जौहरी ने कहा, 'सही हुजूर, यही है शक्कर से बना नकली हीरा। आप बहुत किस्मत वाले हैं कि आपके दरबार में बीरबल जैसा चतुर और बुद्धिमान मंत्री है। इसकी वजह से आप बड़ी से बड़ी समस्या तुरंत हल कर लेते हैं।'

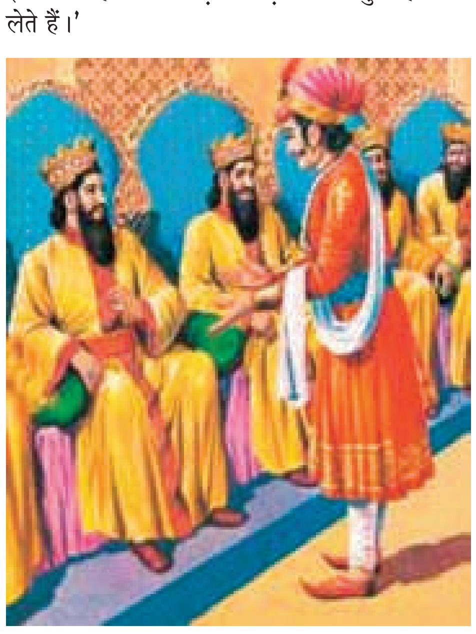

## रंगोली के रंग

**रंगोली** धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है। हमारे यहां त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव, विवाह आदि शुभ अवसरों पर रंगोली बनाने की परंपरा है। इनका उद्देश्य सजावट और सुमंगल है। रंगोली को द्वार की देहरी, आंगन के केंद्र या पूजा स्थल पर बनाया जाता है।

**ऐसे हुई शुरुआत**

प्राचीन काल में लोगों का विश्वास था कि कलात्मक चित्र बनाने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है। ग्रामीण अंचलों में घर-आंगन बुहारकर लीपने के बाद रंगोली बनाने का रिवाज आज भी प्रचलित है।

**रंगोली की आकृतियां**

रंगोली को बनाने में नारियल का चूरा, चावल का आटा, सिंदूर, रोली, हल्दी, सूखा आटा और रंगोली के रंगो का प्रयोग किया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियां। विशेष अवसरों पर बनाई जाने वाली रंगोलियों में कुछ विशेष आकृतियां भी जुड़ जाती हैं, जैसे दिवाली की रंगोली में दीप, गणेश या लक्ष्मी।

**आप भी बनाएं रंगोली**

यदि आपको रंगोली बनाने की प्रैक्टिस नहीं है, तो भी मन खराब करने की जरूरत नहीं है। आप भी रंगोली से अपने घर के आंगन को सजा सकते हैं। रंगोली बनाने के लिए प्लास्टिक के स्टेंसिल्स का प्रयोग भी किया जाता है। 'रेडिमेड रंगोली स्टिकर' भी बाजार में उपलब्ध हैं, उन्हें साफ जमीन पर चिपका कर उस पर रंगोली का डिजाइन बनाया जा सकता है। रंगोली को झाड़ू या पैरों से नहीं हटाया जाता है, बल्कि इसे पानी से साफ किया जाता है। किसी सुंदर से कांच या क्रिस्टल के बर्तन में पानी डालें। इसमें फूलों की पंखुड़ियां सजाएं और फिर रंग-बिरंगी कैंडल्स को पानी पर छोड़ दें। यह खुशबूदार और जगमगाती रंगोली आपके घर आने वाले मेहमानों को यकीनन बहुत पसंद आएगी।

## हसो हसाओ

टीचर (जय से)- बड़े होकर तुम क्या करोगे?
जय- सर, शादी
टीचर- मेरा मतलब है कि क्या बनोगे?
जय- जी, मैं दूल्हा बनूंगा।
टीचर- मेरा कहना चाह रहा हूं कि तुम क्या हासिल करोगे?
जय- दुल्हन।

— — — — — — — — — — — —

संता (दुकानदार से)- एक केला कितने का दिया?

दुकानदार- एक रुपए का एक।

संता- यह तो बहुत महंगा है, तुम मुझे 60 पैसे में दोगे क्या?

दुकानदार- इतने कम पैसों में तो सिर्फ केले का छिलका ही मिलेगा।

संता- तो ठीक है न, ये लो 40 पैसे और सिर्फ केला दे दो।

## रंग भरो

# समुद्र किनारे लाइब्रेरी

आईकिया कंपनी ने अपनी बीसवीं सालगिरह के उपलक्ष्य में सिडनी बाडी बीच में केवल एक दिन के लिए समुद्र के किनारे एक नायाब लाईब्रेरी पेश की थी। इसमें लाल रंग की 30 बुक शैल्फ रखी गई थीं।

# कारों से महंगे ऊंट

आबूधाबी में लगे एक ऊंट महोत्सव में ऊंटों की कीमत मर्सिडीज कारों से भी ज्यादा थी। हाल ही में हुए एक महोत्सव में ऊंट व्यवसायी हमदान बिन गानीम अल फलादी ने 3 ऊंट दो करोड़ चालीस लाख दिहराम (करीब 29 करोड़ रुपए) में खरीदे।

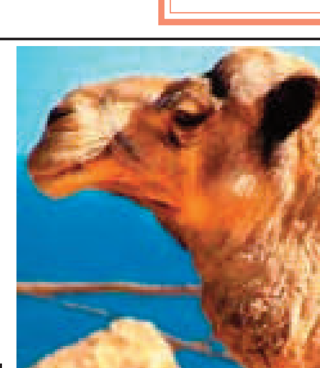

# घोंसले वाला मेंढक

कर्नाटक में एक विशेष प्रजाति का मेंढक पाया जाता है, जो पक्षियों की तरह घोंसला बनाकर रहता है। परभक्षियों से आपने अंडों की हिफाजत करने के लिए वह पजे से अपना घोंसला बनाता है।

# अफगानिस्तान ने आयरलैंड सीरीज के लिए टीम घोषित की, नबी बाहर, रहमत कप्तान

नई दिल्ली

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें बड़ा बदलाव करते हुए अनुभवी आलराउंडर मोहम्मद नबी को टीम से बाहर रखा गया है।

इसके विपरीत, तेज गेंदबाज फजहलक फारूकी और यामीन अहमदजई की टीम में वापसी हुई है, जो टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करेंगे। हालांकि, चोट के कारण प्रतिभाशाली स्पिनर मुजीब उर रहमान इस सीरीज के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। जून में भारत के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज की टीम में भी कुछ बदलाव किए गए हैं, जिसमें फरीद मलिक और बिलाल सामी को रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में भेज दिया गया है। मोहम्मद नबी इस समय गुयाना में ग्लोबल सुपर लीग में गुयाना अमेजन वारियर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिसका समापन 2 अगस्त को होगा।

यह उनके बाहर होने का एक संभावित कारण हो सकता है। अहमदजई ने अफगानिस्तान के लिए आखिरी बार नवंबर 2022 में वनडे क्रिकेट खेला था, जबकि फारूकी फरवरी 2025 में वनडे मैच में शामिल हुए थे। फारूकी ने हाल ही में समाप्त हुई लंका प्रीमियर लीग के जरिए अपनी मैच फिटनेस बनाए रखी है, जहां उन्होंने डंबुला सिक्सर्स के लिए दो मैचों में पांच विकेट चटकाए थे।

इस टीम घोषणा के साथ ही अफगानिस्तान क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन भी हुआ है। हशमतुल्लाह शाहिदी ने भारत सीरीज के बाद अफगानिस्तान के वनडे कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद मध्य क्रम के बल्लेबाज रहमत शाह को राष्ट्रीय टीम का नया टेस्ट और वनडे कप्तान नियुक्त किया गया है। रहमत शाह 2021 से टेस्ट और एकदिवसीय दोनों प्रारूपों में लगातार अफगानिस्तान के उप कप्तान की भूमिका निभा रहे थे। उनके साथ, रहमानुल्लाह गुरबाज दोनों प्रारूपों में उप कप्तान की नई जिम्मेदारी संभालेंगे। यह दोनों आयरलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के दौरान अपनी नई भूमिकाओं में नजर आएंगे। शाहिदी ने मई 2021 में कप्तान के रूप में नियुक्त होने के बाद 55 एकदिवसीय मैचों में टीम की अगुवाई की थी, जिसमें उन्होंने 27 जीत हासिल कीं।

उनकी कप्तानी में अफगानिस्तान ने 2023 विश्व कप में इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराकर चार यादगार जीत दर्ज की थीं और टूर्नामेंट में छठे स्थान पर रहा था।

आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए अफगानिस्तान की टीमः रहमत शाह (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (उप-कप्तान), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, हशमतुल्लाह शाहिदी, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), नांग्याल खारोताई, राशिद खान, एएम गजनफर, यामीन अहमदजई, सलीम सफी, फजलहक फारूकी और जिया उर रहमान शरीफी।

## न्यूज़ ब्रीफ

### वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी पर भी टीम मैनेजमेंट की नजरें

**नई दिल्ली।** पंद्रह वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से सनसनी मचा दी है। हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए पहले टी20 मैच में उन्होंने मात्र 18 गेंदों पर धुआंधार अर्धशतक जड़कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिसके बाद से भारतीय क्रिकेट में एक नई और रोमांचक उम्मीद जगी है। उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण देखने के बाद अब साथ-साथ में गेंदबाजी की क्षमता बढ़ाने की ओर ध्यान देने की बात चल पड़ी हैं। वैभव की उम्र अभी काफी कम है और उनकी प्रतिभा को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक क्रिकेट खेल सकते हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी क्षमता को देखते हुए, टीम प्रबंधन अब उनकी गेंदबाजी क्षमताओं पर भी काम करना चाहता है। यह रणनीति भारतीय टीम के भविष्य की योजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके तहत युवा खिलाड़ियों को न केवल एक विशिष्ट कौशल, बल्कि एक संपूर्ण हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच सुनील जोशी ने हाल ही में एक प्रेस कान्फ्रेंस में वैभव की प्रतिभा की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सबसे पहले, उसकी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वह शानदार रहा है और मुझे खुशी है कि उसने इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उसके लिए एक बेहतरीन अवसर है। जोशी ने वैभव के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ उनके पिछले प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वैभव ने अंडर19 विश्व कप फाइनल में भी अच्छा खेल दिखाया था और जिम्बाब्वे के खिलाफ कल के मैच में भी उनका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा, जिससे उनकी क्षमता पर टीम का विश्वास और बढ़ गया है। सुनील जोशी ने यह भी स्पष्ट किया कि वैभव की गेंदबाजी को विकसित करना टीम की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। उन्होंने बताया, वैभव अपनी बल्लेबाजी को लेकर बहुत सहज रहा है। जब भी हमें उसकी गेंदबाजी पर काम करने का समय मिलेगा, मैं सेंटर आफ एक्सीलेंस में उसके साथ काम करूंगा।

### कुलदीप यादव का काउंटी डेब्यू में शानदार प्रदर्शन, यार्कशायर को दिलाई जीत

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा समय के सबसे अनुभवी स्पिनरों में से एक, कुलदीप यादव,

राष्ट्रीय टीम की प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर कुलदीप भारतीय टीम के स्क्वाड में शामिल थे, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला। इंग्लैंड दौरा खत्म होने के बाद, कुलदीप ने अपनी लय और आत्मविश्वास को बनाए रखने के लिए काउंटी में जारी वनडे कप का रुख किया है, जहाँ उन्होंने यार्कशायर के लिए ग्लैमार्गन के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही जबरदस्त प्रदर्शन कर धूम मचा दी। कुलदीप यादव ने यार्कशायर के लिए अपने पहले ही मुकाबले में पूरी 10 ओवर की गेंदबाजी की, जिसमें उन्होंने सिर्फ 39 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए। ये दोनों विकेट उनके स्पेल के आखिरी ओवर में आए, और वह भी तीन गेंद के भीतर, जिससे उन्होंने ग्लैमार्गन की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। कुलदीप यादव के इन महत्वपूर्ण 2 विकेटों के कारण ग्लैमार्गन की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 रन के भीतर ही ढेर हो गई। यह प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौके की तलाश में हैं, और यह उनकी काबिलियत और मैच विनिंग क्षमता को एक बार फिर रेखांकित करता है।

### रोहित के यादगार उपहार को सोशल मीडिया में साझा कर भावुक हुए बटलर

**नई दिल्ली।** इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने हाल ही में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा द्वारा

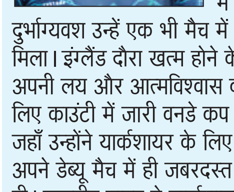

भेंट की गई एक हस्ताक्षरित भारतीय जर्सी पाकर अपनी खुशी व्यक्त की है। यह यादगार उपहार भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज के समापन के बाद दिया गया, जिसमें भारतीय टीम को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। बटलर ने सोशल मीडिया पर इस जर्सी की तस्वीर साझा करते हुए रोहित शर्मा को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक बताया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, एक विपक्षी खिलाड़ी की जर्सी जिसे मैं हमेशा से चाहता था। मेरे सर्वकालिक पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक। इसे संजोकर रखूंगा, धन्यवाद रोहित शर्मा। रोहित शर्मा के लिए इंग्लैंड के खिलाफ यह वनडे सीरीज उतार-चढ़ाव भरी रही। शुरुआती दो मैचों में वे अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन लार्ड्स में खेले गए आखिरी वनडे में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 388 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 138 रनों की शतकीय पारी खेली।

### भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद पहली सीरीज जीती

# जिम्बाब्वे को 90 रन से हराया, ईशान-तिलक की फिफ्टी, अभिषेक को 3 विकेट

हरारेः लगातार 2 टी20 सीरीज हारने के बाद आखिरकार भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कम से कम इस फॉर्मेट तो अच्छी खबर सामने आई है। टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के 3 मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 90 रन से हरा दिया। पहले मैच में 7 विकेट से जीत हासिल करने वाली भारतीय टीम ने अब इस सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इसी के साथ टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पहली टी20 सीरीज जीतने में कामयाब रही है।

**बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों का कमाल**

जिम्बाब्वे की टीम भारतीय गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के आगे ताश के पत्तों की तरह ढह गई और 17.5 ओवरों में 129 रनों पर ऑलआउट हो गई। जिम्बाब्वे के लिए ओपनिंग बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 19 गेंदों में 32 रन (3 चौके, 3 छक्के) बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाए, जबकि तादिवानाशे मरुमानी ने 24 और रयान बर्ल ने 20 रनों का योगदान दिया। इनके अलावा ब्रैड इवांस ने 19 रन बनाए, लेकिन कप्तान सिकंदर रज़ा (0) समेत टीम का मध्यक्रम पूरी तरह से फ्लॉप रहा और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाता रहा।

**अभिषेक शर्मा ने झटके 3 विकेट**

भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही मैच पर शिकंजा कसे रखा और जिम्बाब्वे के किसी भी बल्लेबाज को टिकने नहीं दिया। ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 2.5 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट झटके। डेब्यू कर रहे यश ठाकुर और प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट हासिल किए। उनके अलावा रवि बिश्नोई, शिवम दुबे और तिलक वर्मा को 1-1 सफलता मिली, जिसकी बदौलत टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को बेहद सस्ते में समेट दिया।

**टीम इंडिया ने बोर्ड पर टांगे 220 रन**

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और उपकप्तान तिलक वर्मा की विस्फोटक अर्धशतकीय पारियों की बदौलत जिम्बाब्वे को 220 रन का लक्ष्य दिया है। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत करने वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा आए। वैभव अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। वह 9 गेंदों पर 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक शर्मा का बल्ला लगातार दूसरे मैच में भी नहीं चला। अभिषेक 8 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से 8 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद ईशान और श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। अय्यर 20 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 25 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद किशन ने चौथे विकेट के लिए तिलक वर्मा के साथ 94 रन की अहम साझेदारी की। किशन चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। 31 गेंदों पर अपना 12वां टी20 अर्धशतक लगाने वाले किशन ने 44 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 81 रन की पारी खेली।

तिलक वर्मा ने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 29 गेंदों पर 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके साथ शिवम दुबे 3 गेंदों पर 6 रन बनाकर नाबाद रहे। रिंकू सिंह 8 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे की तरफ से ब्लेसिंग मुजारबानी, रिचर्ड नगवारा, न्यूमैन न्यामहुरी, ब्रायन बेनेट और ब्रैड इवांस ने 1-1 विकेट लिए।

# रवि बिश्नोई ने रन-अप में किया बदलाव, कोच सुनील जोशी ने बताई वजह

नई दिल्ली

**भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच सुनील जोशी ने खुलासा किया है कि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले अपने रन-अप में एक सूक्ष्म बदलाव किया है। इस समायोजन ने उन्हें हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी खोई हुई लय वापस पाने में मदद की है।**

मैनचेस्टर में इंग्लैंड के विरुद्ध एक मैच में बिश्नोई ने अपने चार ओवरों में 60 रन लुटाए थे और कोई विकेट नहीं ले पाए थे, जिसमें इंग्लैंड के बल्लेबाज जैकब बेथेल ने उनके एक ओवर में 29 रन बटोरे थे। इसके विपरीत, जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उन्होंने चार ओवर में केवल 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया, जो उनके फार्म में सुधार का स्पष्ट संकेत है। दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कान्फ्रेंस में जोशी ने बताया कि यह जीत टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण थी और वे गेंदबाजों के प्रदर्शन से खुश थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिश्नोई ने अपने गेंदबाजी एक्शन में कोई बदलाव नहीं किया है, बल्कि केवल अपने रन-अप को थोड़ा व्यवस्थित किया है। इस संबंध में स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले से भी विस्तृत चर्चा की गई थी। इंग्लैंड सीरीज के दौरान रवि बिश्नोई ने कई नो बाल भी फेंकी थीं, क्योंकि वे गेंदबाजी करते समय निर्धारित लाइन से बाहर जा रहे थे, जिससे वे काफी महंगे साबित हुए थे।

इस दौरान सुनील जोशी ने अन्य युवा प्रतिभाओं की भी सराहना की। उन्होंने हरफनमौला खिलाड़ी सूर्यांश शेडगे को एक उभरती हुई प्रतिभा बताया और कहा कि उन्हें टीम में अपनी जगह मजबूत करने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए, जिसकी तुलना उन्होंने हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे के टीम में स्थान बनाने से की। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की इस टी20 सीरीज में नियमित गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल की अनुपस्थिति में जोशी यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने तेज गेंदबाज मयंक यादव की चोट से उबरकर की गई मजबूत वापसी और उनकी शानदार लय की प्रशंसा की। साथ ही, अशोक शर्मा ने भी श्रीलंका ए दौरे पर अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है।

## अमेरिकी एथलेटिक्स चैंपियनशिप

न्यूयॉर्क में आयोजित अमेरिकी एथलेटिक्स चैंपियनशिप की महिलाओं की 100 मीटर दौड़ जीतने के बाद खुशी जाहिर करतीं धाविका शाकैरी रिचर्डसन।

# मेरी पत्नी को गालियां दी गईं, परिवार को घसीटना गलत : हेड

### विराट कोहली विवाद पर ट्रेविस हेड ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ मैदान पर हुए विवाद को लेकर आस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। हेड ने एक इंटरव्यू में खुलकर बताया कि मैदान पर विराट के साथ वास्तव में क्या हुआ था और उसके बाद किस तरह उनकी पत्नी जेसिका डेविस और परिवार को सोशल मीडिया पर घसीटा गया, जिससे उन्हें काफी दुख पहुंचा। उन्होंने विराट कोहली के साथ किसी भी तरह के व्यक्तिगत मतभेद होने से साफ इनकार किया, लेकिन इस बात पर अफसोस जताया कि क्रिकेट के मैदान की घटनाएं उनके परिवार तक पहुंच गईं, जिसे उन्होंने बिल्कुल अनुचित ठहराया।

ट्रेविस हेड ने विराट के साथ हुई कथित हैंडशेक घटना को लेकर कहा कि हमारे बीच ऐसा कुछ भी सुलझाने जैसा नहीं है। यह बस वही है जो है... प्रतियोगिता कैसे चली या क्या हुआ इसमें कोई आश्चर्य नहीं है जैसा कि उम्मीद थी। हेड ने अपनी पत्नी जेसिका डेविस की भी जमकर तारीफ की, जिन्होंने भारतीय प्रशंसकों द्वारा सोशल मीडिया पर फैलाई गई नफरत और ट्रोलिंग को बहुत ही संयम और मजबूती से संभाला। कोड

स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में उन्होंने अपने दुख को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि जेसिका और मेरे पास इन चीजों पर एक शानदार सोच है। यह वह दुनिया है जिसमें हम रहते हैं और मुझे लगता है कि वह इस तरह की चीजों को अच्छे से संभालती है, इसमें वह अद्भुत है।

हेड ने बताया कि उन्हें इस बात का सबसे ज्यादा दुख हुआ कि विवाद के बाद उनकी पत्नी को सोशल मीडिया पर गालियां दी गईं, जो किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं था। उन्होंने कहा, दिक्कत यहां हुई कि मेरे परिवार के अन्य सदस्यों तक ये सब चीजें पहुंच गईं जो इस तरह की चीजों की आदी नहीं हैं। वे क्रिकेट से सीधे तौर पर जुड़े नहीं हैं और इस तरह की ट्रोलिंग और अभद्र टिप्पणियों को झेलने के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने आगे कहा, इस तरह की घटना को कुछ दिनों में हर कोई भूल जाता है। लेकिन परिवार पर इसका असर होता है। जेसिका ने इसे बहुत अच्छी तरह से संभाला, जो उसकी मानसिक मजबूती को दर्शाता है। यह पहला मौका नहीं है जब भारतीय प्रशंसकों ने ट्रेविस हेड और उनके परिवार को सोशल मीडिया पर निशाना बनाया है। साल 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में आस्ट्रेलिया की जीत के बाद भी इस आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी और उसके परिजनों को सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियों का सामना करना पड़ा था।

# युवा हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिपः पाकिस्तान को 7-3 से हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

### महिला टीम ने भी की शानदार वापसी

मस्कट (ओमान)

भारतीय सब-जूनियर पुरुष हाकी टीम ने एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले भारत ने मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी।

वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने चीन से मिली हार के बाद दमदार वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान को 10-0 से रौंद दिया और अब सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से भिड़ेगी।

पुरुष वर्ग के सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल (8वें मिनट), करण गौतम (10वें मिनट) और कप्तान केतन कुशवाहा (10वें मिनट)

के गोल की बदौलत भारत ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में प्रह्लाद राजभर (12वें मिनट) ने बढ़त 4-0 कर दी। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान (12वें और 15वें मिनट) तथा कप्तान अदील (17वें मिनट) ने गोल किए, लेकिन शाहरुख अली (16वें मिनट), राहुल यादव (18वें मिनट) और केतन कुशवाहा (20वें मिनट) के गोलों ने भारत की 7-3 की यादगार जीत सुनिश्चित कर दी।

इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम ने मेजबान ओमान को 10-1 से हराया। भारत ने पहले हाफ में ही 6-0 की बढ़त बना ली थी। शाहरुख अली और केतन कुशवाहा ने दो-दो गोल किए, जबकि करण गौतम और प्रह्लाद राजभर ने भी एक-एक गोल दागा। दूसरे हाफ में कुशवाहा ने अपने चार गोल पूरे किए, जबकि गौतम और राजभर ने भी दूसरा गोल किया। ओमान की ओर से एकमात्र गोल खजराज सुबैत अल-मशराफी ने किया।

महिला वर्ग में भारतीय टीम को पहले मुकाबले में चीन के खिलाफ 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। पहले हाफ तक मुकाबला 3-3 की बराबरी पर था, जिसमें संदीपा कुमारी और किरण एक्का ने भारत के लिए गोल किए, लेकिन दूसरे हाफ में चीन ने बढ़त बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। हालांकि, दूसरे मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने शानदार वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान को 10-0 से हरा दिया। नौशीन नाज़ ने हैट्रिक जमाई, जबकि संदीपा कुमारी ने दो गोल किए। श्रुति कुमारी, किरण एक्का, स्वीटी कुजूर, नीलम टोपनो और दिया ने भी एक-एक गोल कर भारत की एकतरफा जीत में योगदान दिया। पूल चरण समाप्त होने के बाद भारतीय पुरुष टीम फाइनल में एक बार फिर पाकिस्तान से भिड़ेगी। वहीं, भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल-2 में कजाकिस्तान का सामना करेगी। यह प्रतियोगिता उद्घाटन एफआईएच यूथ हाकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# गूगल पर यूरोपीय संघ के जुर्माने से भड़के ट्रंप, व्यापार जांच और टैरिफ की दी चेतावनी

वाशिंगटन

**यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा गूगल पर करीब एक अरब डालर (83.5 हजार करोड़ रुपये) का एंटी-ट्रस्ट जुर्माना लगाए जाने के बाद अमेरिका और ईयू के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कार्रवाई को अमेरिकी कंपनियों के साथ अनुचित व्यवहार बताते हुए ईयू के खिलाफ सेक्शन 301 व्यापार जांच शुरू करने का ऐलान किया है।**

ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि जांच में आरोप सही पाए गए, तो यूरोपीय संघ पर नए और भारी टैरिफ लगाए जा सकते हैं। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक यह घोषणा यूरोपीय आयोग द्वारा गूगल पर (लगभग 97.84 हजार करोड़ रुपये) का एंटी-ट्रस्ट जुर्माना लगाए जाने के बाद की गई। आयोग का कहना है कि गूगल ने अपने सर्च परिणामों में प्रतिस्पर्धी सेवाओं की तुलना में अपनी सेवाओं को अनुचित बढ़त दी।

अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि गूगल पर एक अरब डालर, एप्पल पर 15 अरब डालर, मेटा पर 3 अरब डालर, अमेजन पर 2.5 अरब डालर समेत कई अमेरिकी कंपनियों पर लगाए गए जुर्माने का अमेरिका अब जवाब देगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जांच के नतीजों के आधार पर ईयू पर जल्द ही भारी टैरिफ लगाए जा सकते हैं।

ट्रंप ने दावा किया कि गूगल पर कुल जुर्माना 18 अरब डालर से अधिक हो चुका है। हालांकि, उपलब्ध सार्वजनिक रिकार्ड के अनुसार, पिछले एक दशक में यूरोपीय आयोग द्वारा गूगल पर लगाए गए कुल जुर्माने की राशि इससे कम रही है और ट्रंप का यह आंकड़ा विवादित माना जा रहा है।

इस महीने की शुरुआत में भी गूगल यूरोपीय संघ के (लगभग 50,571 करोड़ रुपये) के पुराने एंटी-ट्रस्ट जुर्माने के खिलाफ कानूनी लड़ाई हार गया था। यह मामला एंड्राइड आपरेटिंग सिस्टम में गूगल सर्च और क्रोम को पहले से इंस्टाल कराने की शर्तों से जुड़ा था।

गौरतलब है कि, सेक्शन 301 जांच अमेरिकी सरकार की वह प्रक्रिया है, जिसके तहत यह तय किया जाता है कि किसी विदेशी देश की व्यापार नीतियां अमेरिकी कंपनियों के साथ अनुचित या भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रही हैं या नहीं। यदि जांच में ऐसे आरोप सही पाए जाते हैं, तो अमेरिका संबंधित देश पर अतिरिक्त टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है।

इस बीच, अमेरिकी विदेश विभाग के अंडर सेक्रेटरी जैकब हेलबर्ग ने भी ईयू की आलोचना करते हुए कहा कि गूगल से वसूला गया जुर्माना यूरोपीय संघ के कई सदस्य देशों के बजट योगदान से भी अधिक है।

## न्यूज ब्रीफ

### आयकर रिटर्न दाखिल करने में सिर्फ छह दिन बाकी, अंतिम तिथि 31 जुलाई

**नई दिल्ली।** इनकम टैक्स का भुगतान करने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करना अनिवार्य है। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख बेहद नजदीक है। वित्त वर्ष 2025-26 (आंकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 तय है। आईटीआर फाइल करने के लिए अब सिर्फ छह दिन ही बचे हैं। आयकर विभाग ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि आखिरी समय का इंतजार न करें, आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2, 31 जुलाई, 2026 से पहले फाइल करें। विभाग ने कहा कि अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) बिना किसी जुर्माने के दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से पहले दाखिल करें। आयकर विभाग ने कहा कि अधिकांश वेतनभोगी और व्यक्तिगत करदाताओं को 31 जुलाई की अंतिम तिथि और समय से बचने के लिए आधिकारिक इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न जरूर दाखिल कर लेना चाहिए। अगर आप 31 जुलाई की अंतिम समय-सीमा को चूक जाते हैं, तो आपके पास बिलेटेड रिटर्न फाइल करने का विकल्प रहता है, लेकिन इसमें देरी करने पर आपको जुर्माना, अतिरिक्त ब्याज और कई टैक्स लाभ गंवाने पड़ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139(4) के अंतगर्त, जो टैक्स टैक्सपेयर्स नियत तारीख तक रिटर्न दाखिल नहीं कर पाते, वे 31 दिसंबर 2026 तक या असेसमेंट प्रक्रिया पूरी होने से पहले अपना बिलेटेड रिटर्न जमा कर सकते हैं ।

### मारुति ने नई काम्पैक्ट एसयूवी से मचाई हलचल, कीमत 7.40 लाख से शुरू

**नई दिल्ली।** भारतीय आटोमोबाइल बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय काम्पैक्ट एसयूवी ब्रेज़ा 2026 फेसलिफ्ट को लान्च कर दिया है। यह नया माडल कई बड़े बदलावों के साथ आया है, जिसमें एक शक्तिशाली टर्बो पेट्रोल इंजन, आकर्षक डिज़ाइन और प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.40 लाख रुपये तय की गई है, जो इसे काम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। नई ब्रेज़ा फेसलिफ्ट का सबसे बड़ा आकर्षण इसका बिल्कुल नया 1.0 लीटर डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल इंजन है। यह इंजन 108 बीएचपी की पावर और 170 एनएम का टार्क पैदा करता है, जिसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ जोड़ा गया है। यह नया पावरट्रेन ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। डिज़ाइन की बात करें तो, नई ब्रेज़ा में नया फ्रंट ग्रिल, बदले हुए बंपर और नए 16 इंच के ड्यूल-टोन अलाय व्हील मिलते हैं, जो इसे एक फ्रेश लुक देते हैं। यह विवेशियस आरेंज और लस्ट्रस बेज जैसे दो नए आकर्षक रंगों में भी उपलब्ध होगी। इंटीरियर में ब्लैक और ब्राउन थीम के साथ ग्लास ब्लैक फिनिश दी गई है। इसमें अब बड़ा 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एयर प्यूरीफायर और वायरलेस चार्जर जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो केबिन को अधिक आरामदायक और हाई-टेक बनाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी ब्रेज़ा अब और मजबूत हुई है।

### बच्चों की दवा कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित

**नई दिल्ली।** भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बच्चों के लिए आयुर्वेदिक दवाएं,

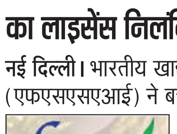


हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रिशन उत्पाद बनाने वाली कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह सख्त कार्रवाई कंपनी की विनिर्माण इकाई के विस्तृत निरीक्षण के बाद की गई, जहां खाद्य सुरक्षा नियमों के कई गंभीर उल्लंघन पाए गए। एफएसएसएआई ने तत्काल प्रभाव से उत्पादन रोकने और सभी कमियों को दूर करने का निर्देश दिया है, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। एफएसएसएआई के निरीक्षण दल ने रेहान हेल्थकेयर की फैक्ट्री में अत्यधिक अस्वच्छ और दूषित वातावरण पाया। पूरे परिसर में गंदगी, कीड़े-मकौड़ों का प्रकोप और साफ-सफाई के बुनियादी मानकों की घोर अनदेखी उजागर हुई। कंपनी को खाद्य सुरक्षा अनुपालन में केवल 12 प्रतिशत अंक मिले, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। अधिकारियों ने विनिर्माण टैंकों के नीचे गंदगी की मोटी परतें और कच्चे माल के भंडारण क्षेत्रों में भी अत्यधिक अस्वच्छता पाई, जिससे उत्पादों में संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो रहा था।

# कच्चे तेल व युद्ध का डर, बाजार पर भारी पड़ी भू-राजनीतिक चिंताएं

**ग्लोबल अस्थिरता का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखा**

**भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल और विदेशी निकासी के दबाव में बाजार**

मुंबई

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांक लगातार पांच कारोबारी सत्रों तक गिरावट के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, अमेरिकी व्यापार शुल्क संबंधी नई चिंताएं और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बाजार की धारणा को बुरी तरह प्रभावित किया। निवेशकों में भारी बिकवाली का दबाव देखा गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और रुपया भी डालर के मुकाबले कमजोर हुआ। सप्ताह की शुरुआत ही भारी बिकवाली के साथ हुई, जब सोमवार को 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 523 अंक और 50 शेयरों वाला निफ्टी 134 अंक लुढ़क गया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 442.93 अंक (और निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने एक सपाट शुरुआत की, लेकिन वैश्विक अस्थिरता के कारण यह भी लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 238.41 अंक और निफ्टी 50.80 अंक नीचे आ गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इंफोसिस जैसे दिग्गजों के शेयरों में 2 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। हालांकि, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आटो सूचकांकों ने कुछ हद तक बढ़त दर्ज कर थोड़ी राहत दी। बुधवार को गिरावट का सिलसिला और तेज हो गया, जो लगातार तीसरा कारोबारी सत्र था।

कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक और एनएसई निफ्टी 191.45 अंक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों की खबरों से कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा कमजोर बनी रही। सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर और निफ्टी 126.66 अंक के नुकसान के साथ 23,869.60 के स्तर पर बंद हुआ। सप्ताह का अंत भी गिरावट के साथ हुआ। शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी को नुकसान हुआ।

शुरुआती कारोबार में तो सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा टूट गया था, हालांकि बाद में थोड़ी रिकवरी हुई। बाजार पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ते तेल मूल्य और अमेरिकी व्यापार शुल्क की नई चिंताओं से घिरा रहा। सप्ताह के दौरान इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस जैसे बड़े शेयरों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा।

### एक्सिस एमएफ के पूर्व डीलर वीरेश जोशी पर 7 साल का प्रतिबंध

**मुंबई।** भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फ्रंट-रनिंग ट्रेडिंग के गंभीर आरोपों पर ऐक्सिस म्युचुअल फंड के पूर्व चीफ डीलर वीरेश जोशी पर सात साल के लिए प्रतिभूति बाजार में पाबंदी लगा दी है। उन पर 3 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। इस मामले में सेबी ने जोशी के 20 अन्य सहयोगियों को भी 3 से 7 साल के लिए प्रतिबंधित किया है, जिन पर 10 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया गया है। नियामक ने इस अवैध गतिविधि के जरिये हुई अनुमानित 30.55 करोड़ रुपए की कमाई को पहले ही जब्त कर लिया है। सेबी के अंतिम आदेश के अनुसार, जोशी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ऐक्सिस एमएफ के बड़े सौदों से जुड़ी गोपनीय जानकारी अपने बाहरी सहयोगियों को दी। इन लोगों ने दुबई से ओडीआईएन टर्मिनल और दूसरों के नाम पर खोले गए खातों का इस्तेमाल कर फ्रंट-रनिंग ट्रेड किए, जिससे बाजार में हेरफेर कर अवैध मुनाफा कमाया गया। इस गैर-कानूनी कमाई को आफशोर कंपनियों में जमा किया गया। जांच में मिले व्हाट्सएप चैट और जादूगर, एएसडीएफजी जैसे कोड नामों के इस्तेमाल से आरोपियों के बीच गहरे तालमेल का खुलासा हुआ। बाजार नियामक ने स्पष्ट किया है कि फ्रंट-रनिंग एक गंभीर धोखाधड़ी है, जो म्युचुअल फंडों के यूनिटधारकों के भरोसे और बाजार की अखंडता को कमजोर करती है। ऐसी गतिविधियों में निजी फायदे को प्राथमिकता दी जाती है, जबकि म्युचुअल फंडों का प्रबंधन निवेशकों के हित के लिए किया जाता है। सेबी की यह कार्रवाई बाजार में धोखाधड़ी रोकने और निवेशकों के हितों की रक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

# बीएनपी परिबा कार्डिफ ने इंडियाफर्स्ट लाइफ में खरीदी 26 फीसदी हिस्सेदारी

मुंबई

फ्रांस की बीमा कंपनी बीएनपी परिबा कार्डिफ ने निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिन्कस से इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे के साथ इंडियाफर्स्ट लाइफ को एक नया रणनीतिक निवेशक मिल गया है, जिसका उद्देश्य कंपनी की विकास यात्रा को गति देना है। हालांकि, सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिग्रहण के बाद इंडियाफर्स्ट लाइफ की शेयरधारिता में बड़ा बदलाव आया है। बैंक आफ बड़ौदा की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रहेगी, जिससे वह सबसे बड़ा शेयरधारक बना रहेगा। बीएनपी परिबा कार्डिफ के पास अब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि यूनियन बैंक आफ इंडिया नौ प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदार रहेगा। इस रणनीतिक

**बैंक आफ बड़ौदा 65 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा शेयरधारक**

साझेदारी का मुख्य उद्देश्य बैंक आफ बड़ौदा के विशाल शाखा नेटवर्क, इंडियाफर्स्ट लाइफ की बहु-चैनल वितरण क्षमताओं और बीएनपी परिबा कार्डिफ की वैश्विक बैंकएश्योरेंस विशेषज्ञता, उत्पाद नवाचार तथा बीमा क्षमताओं का लाभ उठाना है। बीएनपी परिबा कार्डिफ की सीईओ पालिन लेक्लेर-ग्लोरियू ने इस सौदे को उच्च संभावनाओं वाले बाजारों में मजबूत संस्थानों के साथ साझेदारी की उनकी अंतरराष्ट्रीय रणनीति का विस्तार बताया। बैंक आफ बड़ौदा के एमडी देवदत्त चंद ने इसे परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में मौजूदा साझेदारी के विस्तार के रूप में देखा।

## अडानी का एयरलाइन शुरू करने से इनकार, एएआई नियमों में मांगी ढील

**मुंबई।** अडानी ग्रुप ने भले ही तत्काल एयरलाइन शुरू करने की खबरों से इनकार किया हो, लेकिन उसकी एयरपोर्ट कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स (एएएचएल) ने विमानन क्षेत्र के नियमों में बदलाव की मांग की है। कंपनी ने भविष्य की एयरलाइन के विकास में अपनी अहम भूमिका का संकेत देते हुए एयरपोर्ट्स अथारिटी आफ इंडिया (एएआई) से नियमों में ढील देने का अनुरोध किया है। अडानी एयरपोर्ट्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जून में एएआई को लिखे पत्र में कहा कि ग्रुप की इकाई अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस एयरलाइन कारोबार में उतरने पर विचार कर रही थी। पत्र में कहा गया कि ग्रुप के पास पायलट प्रशिक्षण, रखरखाव, ग्राउंड हैंडलिंग और 8 हवाई अड्डों का नेटवर्क है, जिससे वह एविएशन सेक्टर को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने मौजूदा नियमों में बदलाव की वकालत करते हुए तर्क दिया कि भारत के विमानन बाजार में कुछ बड़ी एयरलाइनों का दबदबा है, जिससे प्रतिस्पर्धा सीमित हो रही है। उन्होंने टियर-2 और टियर-3 शहरों की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए नई एयरलाइन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इंडिगो के पिछले आपरेशनल संकट का भी उल्लेख करते हुए कहा कि मजबूत वित्तीय क्षमता वाली नई एयरलाइनों के आने से सेक्टर अधिक प्रतिस्पर्धी और संतुलित बन सकता है।

# केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3,030 करोड़ के 3 भव्य केमिकल पार्कों को दी मंजूरी

**भव्य-रसायन योजना के तहत 2030-31 तक होगा विकास**

नई दिल्ली

**केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी नई योजना को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य-रसायन) को हरी झंडी मिली, जिसका मुख्य लक्ष्य भारत को रसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना वर्तमान वित्त वर्ष से शुरू होकर 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी।**

योजना की कुल लागत 3,030 करोड़ रुपये है, जिसमें से 3,000 करोड़ रुपये साझा अवसंरचना एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास पर और 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय पर खर्च होंगे। वैष्णव ने बताया कि ये पार्क कम से कम 2,000 एकड़ (करीब 8 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र में स्थापित होंगे और प्रत्येक में 20,000 करोड़ रुपये से 50,000 करोड़ रुपये तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इन पार्कों का विकास राज्यों के साथ चैलेंज रूट के तहत किया जाएगा, जहां राज्य सरकारें ग्रीनफील्ड (नई) या ब्राउनफील्ड (पुरानी) विकल्पों में से चुनाव कर सकेंगी। केंद्र सरकार प्रत्येक पार्क के लिए अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये का अनुदान देगी, जबकि संबंधित राज्य सरकार को कम से कम 500 करोड़ रुपये का योगदान करना होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार यह योजना रसायन उद्योग की समूची मूल्य शृंखला का विकास करेगी, लाजिस्टिक लागत में कमी लाएगी और घरेलू-विदेशी निवेश को बढ़ावा देगी। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और भारतीय रसायन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। इन पार्कों में आधुनिक सुविधाएं जैसे सीईटीपी, जल आपूर्ति और लाजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित किए जाएंगे, जिससे कृषि, वस्त्र, दवा, वाहन व इलेक्ट्रानिक्स जैसे क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा।

# 8वें वेतन आयोग की बैठकें अगस्त में, कर्मचारियों को मिली राहत

**महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त को आयोजित की जाएंगी**

नई दिल्ली

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। आयोग ने दिल्ली में विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स यूनियनों के साथ आगामी बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। ये महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त, 2026 को आयोजित की जाएंगी, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के वेतनमान, भत्तों और पेंशन से संबंधित विभिन्न सुझावों पर गहन चर्चा की जाएगी। इस घोषणा से देश के लगभग 1.19 करोड़ केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स को राहत मिली है, जो लंबे समय से आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। आयोग ने उन सभी कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों को एक और

अवसर प्रदान किया है, जिन्होंने पूर्व में अपना मेमोरेंडम जमा कर दिया था, लेकिन किसी कारणवश अभी तक आयोग के साथ उनकी बैठक नहीं हो पाई थी। ऐसे संगठन इन आगामी बैठकों में शामिल होने के लिए 31 जुलाई, 2026 तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय उन्हें अपनी मेमो आईडी के साथ अपाइंटमेंट की मांग करनी होगी।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाले अनुरोधों पर सीमित विचार किया जाएगा, इसलिए सभी संगठनों को निर्धारित तिथि से पहले प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। 8वें वेतन आयोग का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए मौजूदा वेतन, भत्तों और पेंशन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करना है। इस प्रक्रिया के तहत आयोग विभिन्न कर्मचारी संगठनों, यूनियनों और फेडरेशनों से सुझाव एकत्र कर रहा है। दिल्ली में होने वाली ये बैठकें इसी व्यापक विचार-विमर्श प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जहाँ कर्मचारी संगठन सीधे आयोग के समक्ष अपनी मांगों और सुझावों को प्रस्तुत कर सकेंगे। इन्हीं सुझावों के अध्ययन के बाद आयोग अपनी सिफारिशें तैयार करेगा, जिन्हें बाद में केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा, और इन्हीं के आधार पर भविष्य के नए वेतनमान व अन्य लाभ तय होंगे।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि दिल्ली में होने वाली बैठकें केवल प्रारंभिक चरण हैं। इसके बाद आयोग की योजना अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी कर्मचारी संगठनों के साथ इसी तरह की बातचीत आयोजित करने की है, ताकि अधिकतम संगठनों की राय को अंतिम रिपोर्ट में शामिल किया जा सके। आल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन (एआईएनपीएसएफ) सहित कई कर्मचारी संगठनों ने पहले आयोग से जल्द बैठकें आयोजित करने की मांग की थी, और इस नए शेड्यूल का स्वागत किया है। अब सभी की निगाहें इन आगामी बैठकों पर टिकी हैं, जो भविष्य के वेतनमान और लाभों का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 26 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

# ईसीआईएल ने सीएसआर पहल के तहत शासकीय सामान्य अस्पताल, महबूबाबाद को सौंपा एसीएलएस एम्बुलेंस

**हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम , इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के तहत शासकीय सामान्य अस्पताल, महबूबाबाद, तेलंगाना को एक उन्नत कार्डिएक लाइफ सपोर्ट (एसीएल) एम्बुलेंस सौंपी है। इस पहल का उद्देश्य आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना और आम जनता के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल तक पहुंच को बढ़ाना है।

यह एम्बुलेंस राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) के माननीय सदस्य श्री जातोथु हुसैन नायक, ईसीआईएल के निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (कार्मिक) का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे श्री प्रतीक कुमार चक्रवर्ती और महबूबाबाद के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. श्रीनिवास राव की गरिमामयी उपस्थिति में औपचारिक रूप से सौंपी गई।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री जातोथु हुसैन नायक ने अपनी सीएसआर पहल के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में सुधार की दिशा में प्रतिबद्धता के लिए ईसीआईएल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उल्लेख किया कि जिले की लगभग 75% आबादी जनजाति समुदाय से आती है, जिनमें से कई चिकित्सा सेवाओं के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर निर्भर हैं।

उन्होंने आगे कहा कि शासकीय सामान्य अस्पताल अब तक केवल एक बुनियादी (बेसिक) एम्बुलेंस के साथ काम कर रहा था, जिसे अक्सर मरम्मत की आवश्यकता होती है। चिकित्सा आपात स्थिति में, मरीजों को तृतीयक देखभाल (टर्जरी केयर) के लिए अक्सर उच्च स्वास्थ्य केंद्रों जैसे एमजीएम अस्पताल, वारंगल (लगभग 85 किमी दूर), खम्मम (लगभग 55 किमी दूर) या हैदराबाद के लिए रेफर करना पड़ता है। उन्नत जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस यह नई एसीएलएस एम्बुलेंस, आपातकालीन प्रतिक्रिया में काफी सुधार करेगी और गंभीर रूप से बीमार रोगियों के समय पर परिवहन को सक्षम बनाएगी, जिससे महबूबाबाद जिले के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ेगी।

श्री प्रतीक कुमार चक्रवर्ती, निदेशक (वित्त) एवं अतिरिक्त प्रभार निदेशक (कार्मिक) ने कहा कि एडवांस्ड कार्डिएक लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) एम्बुलेंस प्रदान करने की सीएसआर पहल से लोगों को समय पर आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिससे कीमती जानें बचाई जा सकेंगी और सरकारी अस्पतालों के कामकाज को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने दोहराया कि ईसीआईएल अपनी प्रभावशाली सीएसआर पहलों के माध्यम से समाज के सामंजस्यपूर्ण और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे प्रोजेक्ट्स को जारी रखेगा जो समुदायों और पूरे देश के कल्याण में योगदान करते हैं।

इस अवसर पर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. श्रीनिवास राव ने शासकीय सामान्य अस्पताल को एडवांस्ड कार्डिएक लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) एम्बुलेंस प्रदान करके अस्पताल और जिले को बहुमूल्य सहायता देने के लिए ईसीआईएल के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने जन कल्याण के प्रति ईसीआईएल की निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की और संगठन से जिले के समग्र विकास और यहां के लोगों के कल्याण के लिए ऐसी और अधिक सीए-सआर पहल करने का अनुरोध किया।इस कार्यक्रम में डॉ. पी. वेणु बाबू, सीएमओ एवं प्रभारी (सीएसआर); श्री सुनील कुमार जे, उप प्रबंधक (एचआर); श्री शेषगिरी राव एम, कोषाध्यक्ष, ईसीओए; और श्री महिपाल एम, उपाध्यक्ष, ईसीएमएस यूनियन भी उपस्थित थे, जिनके समर्पित प्रयासों और समर्थन ने सीए-सआर परियोजना के सफल क्रियान्वयन और कार्यक्रम के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

# राधे रानी की असीम कृपा से सेवा का दिव्य अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्नदान सेवा अभियान श्रद्धा, समर्पण और मानवता के भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवियों एवं सेवाभावी श्रद्धालुओं ने सहभागिता करते हुए जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया और सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि यह सेवा कार्य किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि राधे रानी की असीम कृपा, सभी सेवाभावी साथियों के सामूहिक समर्पण और मानव कल्याण के संकल्प का साकार रूप है। उन्होंने कहा कि राधे रानी के दिव्य आशीर्वाद से यह पावन अन्नदान अभियान निरंतर अविराम गति से आगे बढ़ रहा है और प्रतिदिन अनेक जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाकर उनके जीवन में आशा और विश्वास का संचार कर रहा है।कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, दीप चंद अग्रवाल, राजेश सर (योग), नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, ज्योति अग्रवाल एवं प्रवीण विजयवर्गीय सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

# बोनालू उत्सव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक सम्पन्न

## 3 करोड़ से अधिक की लागत से मूलभूत सुविधाओं के कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश,

## श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर विशेष जोर

**हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना की सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान बोनालू उत्सव पूरे राज्य में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष बोनालू उत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं भव्य रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह, नगर निगम (जीएचएमसी) के वरिष्ठ अधिकारी, वाटर वर्क्स विभाग के अधिकारी, पुलिस विभाग के प्रतिनिधि तथा विभिन्न मंदिर समितियों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर उत्सव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बोनालू उत्सव की तैयारियों के लिए स्वीकृत 3 करोड़ से अधिक की राशि से संबंधित सभी विकास एवं मूलभूत सुविधाओं के कार्य, जैसे सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का कार्य तत्काल प्रभाव से प्रारंभ किया जाए। अधिकारियों से कहा गया कि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं, ताकि उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पुलिस विभाग से विशेष अनुरोध किया गया कि बोनालू उत्सव के दौरान यदि कोई व्यक्ति शराब के नशे में आकर कानून-व्यवस्था भंग करने अथवा श्रद्धालुओं को परेशान करने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध तत्काल एवं सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। बैठक में कहा गया कि बोनालू उत्सव धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है तथा इसकी गरिमा और पवित्रता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बैठक में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई कि आज की युवा पीढ़ी का एक वर्ग बोनालू उत्सव के वास्तविक धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अनभिज्ञ होता जा रहा है।

कई युवाओं के लिए यह उत्सव केवल नृत्य, संगीत और शराब सेवन तक सीमित होकर रह गया है, जबकि बोनालू उत्सव का वास्तविक उद्देश्य मां महाकाली (दुर्गा माता) की आराधना कर राज्य में सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा, जनकल्याण तथा महामारी एवं बीमारियों से रक्षा की प्रार्थना करना है।

बैठक के अंत में सभी नागरिकों एवं विशेष रूप से युवाओं से अपील की गई कि वे बोनालू उत्सव को उसकी धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक मूल्यों और अनुशासन के अनुरूप मनाएं तथा तेलंगाना की इस गौरवशाली विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सम्मानपूर्वक पहुंचाने में अपना सक्रिय योगदान दें।

**गौलीगुडा स्थित प्राचीन विठोबा मंदिर में महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी ने रघुनंदन यादव, मनोज जयसवाल एवं यादवजी के साथ विठ्ठलेश्वर भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा राज्य एवं समाज की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना करते हुए भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।**

# सिखवाल प्रगति समाज का एक दिवसीय एसआईआर सहायता शिविर सम्पन्न

**हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

सिखवाल प्रगति समाज द्वारा श्री ऋष्यश्रृंग भवन, फीलखाना, भाग्यनगर (हैदराबाद) में निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत समाजबंधुओं को आवश्यक जानकारी एवं सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का संचालन प्रातः 11:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक किया गया।

इस दौरान समाज के युवा एवं एसआईआर प्रक्रिया के जानकार श्री हरीश ओझा, श्री नितिन व्यास तथा श्री कन्हैयालाल उपाध्याय ने स्वेच्छा से कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए मतदाताओं को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया तथा प्रपत्र भरने में सहयोग किया। शिविर के दौरान 100 से अधिक मतदाताओं ने अपने प्रपत्र भरकर एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाई। समाजबंधुओं ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी, जनहितकारी एवं समय की आवश्यकता बताया।

कार्यक्रम में सिखवाल प्रगति समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, गवर्निंग काउंसिल सदस्य सुरेशचंद उपाध्याय, चंद्रभान व्यास, शेषमल उपाध्याय, अनिल जायलवाल, चंपालाल ओझा, संदीप जायवाल, किशोर खरतावत, मुरलीधर तिवारी, नरेश पांडिया, रूपचंद व्यास, रामदेव ओझा, श्रीराम व्यास (भाजपा), सत्यनारायण उपाध्याय, रामानुज ओझा, सुरेंद्र तिवारी (पापा), गजानंद व्यास, राधेश्याम चतुरावत, नंदकिशोर उपाध्याय, घनश्याम जोशी बिलड़ाजी, पारसमल पांडिया, श्रीनिवास नागला, रमेशचंद्र व्यास, श्याम ओझा तथा भुलक्ष्मी माता मंदिर के बाबू गुरु सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। पूरे दिन ऋष्यश्रृंग भवन में स्वजातीय बंधुओं की उत्साहपूर्ण चहल-पहल बनी रही।

समाजबंधुओं के उत्साह एवं बढ़ती मांग को देखते हुए सिखवाल प्रगति समाज ने निर्णय लिया है कि सोमवार, 27 जुलाई 2026 को पुनः प्रातः 11:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक श्री ऋष्यश्रृंग भवन, फीलखाना में एक दिवसीय एसआईआर सहायता शिविर आयोजित किया जाएगा।

समाज ने सभी पात्र मतदाताओं से इस अवसर का लाभ उठाने तथा समय पर अपनी एसआईआर संबंधी प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।

# काकतीय विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में प्राकृतिक चिकित्सा विरासत के संरक्षण पर जोर

**हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** काकतीय विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह (1976-2026) के ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के अधीन संचालित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद के एक प्रतिनिधिमंडल ने हनमकोंडा स्थित इंटरनेशनल नेचुरापैथी लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर का दौरा किया।

यह दौरा एनआईआईएमएच, हैदराबाद के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित दुर्लभ पुस्तकों, शोध पत्रिकाओं एवं ऐतिहासिक दस्तावेजों का संग्रह करना तथा काकतीय विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में सहभागिता करना था।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. गोली पेंचला प्रसाद ने एनआईआईएमएच संग्रहालय में सुरक्षित प्रोफेसर रामेश्वरम के दुर्लभ एवं बहुमूल्य संग्रह का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय चिकित्सा पद्धतियों, विशेषकर प्राकृतिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत का संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस दिशा में एनआईआईएमएच की प्रतिबद्धता एवं महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. के. प्रताप रेड्डी, एनआईआईएमएच के प्रभारी निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद सहित अनेक विशेषज्ञों ने प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए प्रो. रामेश्वरम द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना की।

इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान लाइब्रेरियन श्री श्रीनिवास राव तथा सहायक श्री किरण ने प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित दुर्लभ पुस्तकों, ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं नेचुरोपैथी के दिग्गजों के छायाचित्रों के संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही, प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र की अनेक महान विभूतियों एवं विशेषज्ञों से संबंधित जानकारियों को डिजिटल प्रारूप में संकलित किया गया।

बताया गया कि इस संकलित सामग्री का उपयोग एनआईआईएमएच, हैदराबाद के संग्रहालय को और अधिक समृद्ध, आधुनिक एवं शोधोन्मुख बनाने के लिए किया जाएगा। यह पहल प्राकृतिक चिकित्सा के प्राचीन ज्ञान, इतिहास और विरासत को भावी पीढ़ियों तथा शोधकर्ताओं के लिए सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कदम मानी जा रही है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। परिवार के साथ आज शॉपिंग पर जाना संभव हैं, परन्तु थकान का अनुभव भी हो सकता है।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस-पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

शकी स्वभाव के चलते आपको हार का मुँह देखना पड़ सकता है।
आर्थिक तौर पर सुधार तय है। शाम को रसोई के लिए ज़रूरी चीज़ों की ख़रीदारी आपको व्यस्त रखेगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। आपकी ऊर्जा आज बेवजह के कामों में जाया हो सकती है। जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। अपने काम के प्रति आज आपका फोकस गजब का होगा। आपके काम को देखकर आज बॉस आपसे खुश हो सकता है।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

मिानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। हँसी-मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। रोमांस आपके दिल-दिमाग़ पर छाया रहेगा, क्योंकि आज आपकी मुलाक़ात अपने प्रिय से होगी। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। इसका अनुभव कीजिए। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज खेल-कूद में हिस्सा लें । यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। किसी पार्क में बैठकर आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। ख़ास तौर पर माइग्रेन के मरीज़ों को समय पर खाना नहीं छोड़ना चाहिए, नहीं तो उन्हें व्यर्थ में भावनात्मक तनाव से गुज़रना पड़ सकता है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन-साथी का सहयोग मिलेगा। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका कोई दोस्त आज आपकी जमकर तारीफ कर सकता है।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

बेकार के ख़यालों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें, बल्कि इसे सही दिशा में लगाएँ। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें साथ ही आज आप मस्तीभरे सफ़र पर भी जा सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव के बाद एक-दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है। आज आप फ़ोटोग्राफ़ी करके आने वाले कल के लिए कुछ बेहतरीन यादें संजो सकते हैं ।

## आज का पंचांग

दिनांक : 26 जुलाई 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 02:00 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा प्रात: 07:35 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 10:05 तक
करण : बालव दोपहर 02:00 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक प्रात: 07:35 तक
सूर्योदय : 05:53,सूर्यास्त 06:51 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:48 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:42 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:41 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , प्रदोष व्रत , गण्डमूल चालू है , चातुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# 29वीं भव्य काँवड़ यात्रा 16 अगस्त को

## प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर का विमोचन, 1,251 श्रद्धालुओं का पंजीकरण पूर्ण

**हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा के साथ भाग्यनगर काँवड़ सेवा संघ के तत्वावधान में आगामी 16 अगस्त को आयोजित होने वाली 29वीं भव्य काँवड़ यात्रा की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। अब तक यात्रा के लिए 1,251 श्रद्धालुओं का पंजीकरण पूर्ण हो चुका है।

यहाँ प्रचार मंत्री नन्दगोपाल भट्टड़ एवं सह प्रचार मंत्री पंकज वर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संघ के उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल के मलकपेट स्थित निवास पर मांगेराम तायल की अध्यक्षता में पदाधिकारियों एवं विभिन्न समितियों की बैठक सम्पन्न हुई।

संघ के सह प्रचार संयोजक पंकज वर्मा ने बताया कि काँवड़ यात्रा के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से यात्रा के पोस्टर का विमोचन संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकारी सदस्यों द्वारा किया गया।

यात्रा के प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेश जगनानी एवं विजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि काँवड़ों के निर्माण का कार्य अगस्त माह के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होगा। इसके लिए हरिद्वार स्थित हर की पौड़ी से डीसीएम के माध्यम से पवित्र गंगाजल हैदराबाद लाया जा चुका है।

संघ के कोषाध्यक्ष चम्पालाल बैद ने बताया कि काँवड़ यात्रा 16 अगस्त को प्रातः 6:31 बजे श्री महादेव मंदिर, चारमीनार से प्रारंभ होगी। यात्रा गुलजार हौज, मामा जुमला फाटक, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, भू लक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार, किराणा मार्केट, बर्तन बाजार, सिद्धिअम्बर बाजार, महबूबगंज, गौलीगुड़ा चमन होते हुए पुतली बावली (उस्मानिया मेडिकल कॉलेज मेट्रो स्टेशन) स्थित वी.वी. फंक्शन हॉल (ओल्ड अशोक थिएटर) पहुँचेगी, जहाँ अल्पाहार के साथ यात्रा का प्रथम पड़ाव होगा।

इसके बाद यात्रा श्री हनुमान मंदिर, जामबाग, तुरुप बाजार, बैंक स्ट्रीट क्रॉस रोड, हनुमान टेकड़ी, तिलक रोड, रामकोट चौराहा, वीर सावरकर चौराहा, रिलायंस रिटेल स्टोर, श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा तथा निम्बोली अड्डा होते हुए चादरघाट चौराहे के समीप स्थित ग्रैंड इम्पीरियल फंक्शन हॉल पहुँचेगी, जहाँ मध्याह्न भोजन एवं विश्राम (दूसरा पड़ाव) रहेगा।

इसके पश्चात यात्रा नलगोंडा चौराहा, यशोदा हॉस्पिटल, मलकपेट, पीवीआर सिनेमा, मूसारामबाग चौराहा, शिवगंगा थिएटर रोड, इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प, सिंगरेणी कॉलोनी एवं चम्पापेट रोड होते हुए मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल, चम्पापेट पहुँचेगी, जहाँ अंतिम पड़ाव रहेगा। यहाँ हाई-टी, शिव भण्डारा, रात्रि महाजागरण एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था की जाएगी।

17 अगस्त को प्रातः पुनः काँवड़ यात्रा श्री उमा माहेश्वर स्वामी वारी देवस्थानम्, सरूरनगर पहुँचेगी, जहाँ ब्रह्म मुहूर्त में हरिद्वार की हर की पौड़ी से लाए गए पवित्र गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा।

जानकारी देते हुए बताया गया कि शिव भण्डारा एवं शिव महाजागरण का आयोजन 16 अगस्त, रविवार को रात्रि 8 बजे से मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल, चम्पापेट में होगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक राजू मुरारी दाहिमा (हैदराबाद) भजनों की प्रस्तुति देंगे, जबकि रिया प्रिया नृत्य मंडली, प्रयागराज द्वारा आकर्षक धार्मिक झाँकियाँ प्रस्तुत की जाएँगी।

महिला अध्यक्ष रूबी मिश्रा ने बैठक में यात्रा को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए यातायात पुलिस, लॉ एंड ऑर्डर पुलिस, संपूर्ण यात्रा मार्ग पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती तथा जीएचएमसी द्वारा संचालित मोबाइल शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी दी।

उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं का स्वागत करने वाली सभी सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से आग्रह किया कि वे काँवड़ियों का स्वागत केवल पुष्प वर्षा से करें तथा किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ अथवा अन्य वस्तुओं का वितरण न करें, ताकि यात्रा सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो सके।

बैठक में सुनील कुमार अग्रवाल, मीनू गुप्ता, पंकज वर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल, मनीष किंकाण, अभिनव अग्रवाल, भारत अग्रवाल, कुणाल गोयल, भारत छाबरिया, शरद वर्मा, कौशिक अग्रवाल, पूर्वा अग्रवाल, सोनाली वर्मा, उम्मीद अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में महिला उपाध्यक्ष मीनू गुप्ता ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## द्वितीय चरण का गौ सम्मान आह्वान अभियान कल

**हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने, गौवंश की रक्षा सुनिश्चित करने तथा देशभर में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के संकल्प के साथ द्वितीय चरण गौ सम्मान आह्वान अभियान का आयोजन सोमवार, 27 जुलाई को किया जाएगा। श्री आईजी गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा एवं उपाध्यक्ष कालुराम काग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि अभियान के अंतर्गत गौमाता को राष्ट्रमाता/राष्ट्र आराध्या का संवैधानिक दर्जा प्रदान करने, केंद्रीय गौसेवा मंत्रालय की स्थापना तथा गौसंरक्षण के लिए एकीकृत केंद्रीय कानून बनाए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी राजनीतिक दल, संगठन अथवा केंद्र या राज्य सरकार के विरोध में नहीं है, बल्कि गौमाता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति समर्पित एक जनजागरण अभियान है।

इसका उद्देश्य समाज में गौसंरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और संवैधानिक स्तर पर आवश्यक पहल की मांग करना है।

उन्होंने बताया कि 27 जुलाई को प्रातः 8:15 बजे श्री आईजी गौशाला में विजय मंत्र कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 11:15 बजे मेडचल कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों के नाम प्रार्थना-पत्र (ज्ञापन) सौंपा जाएगा। इस अवसर पर शांतिपूर्ण रैली भी निकाली जाएगी।

गौशाला प्रबंधन ने सभी गौभक्तों, गौप्रेमियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने तथा गौसेवा के इस जनआंदोलन में अपना सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

## राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा ने मन जीत लिया, यह मानवता की सच्ची साधना है : अनीता पोद्दार

**हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, समर्पण और मानवता का प्रेरणादायी उदाहरण बनता जा रहा है। प्रतिदिन आयोजित होने वाले इस सेवा अभियान में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक भाग लेकर जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित करते हैं। सेवा के इस पावन कार्य ने अनेक लोगों को मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनीता पोद्दार ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य को देखकर उनका मन अत्यंत प्रफुल्लित और भावविभोर हो गया।

उन्होंने कहा कि आज उन्हें भी इस पावन अन्नदान सेवा में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसे वह अपने जीवन का एक अविस्मरणीय और आध्यात्मिक अनुभव मानती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी भूखे व्यक्ति को सम्मानपूर्वक भोजन कराना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची उपासना है। जिस समाज में सेवा और करुणा का भाव जीवित रहता है, वह समाज सदैव उन्नति और समृद्धि की ओर अग्रसर होता है।

अनीता पोद्दार ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन जरूरतमंदों तक अन्न पहुँचाकर मानवता की अनूठी मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। यह सेवा अभियान केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के दिलों में प्रेम, संवेदना, सहयोग और अपनत्व की भावना भी जागृत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज को सेवा, संस्कार और सामाजिक एकता की सबसे अधिक आवश्यकता है, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप का यह अभियान हर व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, मनीष चिंडालिया, भगतराम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, रमाकान्त पोद्दार (सूरत निवासी), अनीता पोद्दार, श्रद्धा पोद्दार, जय प्रकाश सारड़ा, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित अनेक श्रद्धालुओं और समाजसेवियों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### प्रधान...

आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। हालांकि, सीजेपी के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि वे सरकार द्वारा तय समयसीमा में सभी वादों को पूरा किए जाने की उम्मीद के साथ ही आंदोलन स्थगित कर रहे हैं।

### प्रह्लाद जोशी...

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत 3 मई 2026 को हुई थी, जब नीट-यूजी परीक्षा के बाद पेपर लीक और धांधली के आरोप सामने आए। छात्रों ने परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। धीरे-धीरे यह मामला सोशल मीडिया से निकलकर बड़े छात्र आंदोलन में बदल गया। इसी बीच 15 मई को एक सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत की एक टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया। उन्होंने कुछ लोगों के लिए कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया था। बाद में उन्होंने साफ किया कि उनकी टिप्पणी आम युवाओं के लिए नहीं थी, बल्कि फर्जी डिग्री के सहारे पेशे में आने वाले लोगों के संदर्भ में थी।

सोनम वांगचुक के जुड़ने से बढ़ी चर्चा

28 जून 2026 को सोनम वांगचुक भी इस आंदोलन से जुड़े. उन्होंने जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। उनका कहना था कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता आनी चाहिए, पेपर लीक मामलों की जांच होनी चाहिए और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। लगातार अनशन के चलते उनकी तबीयत बिगड़ी। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। सरकार से बातचीत के बाद लिखित आश्वासन मिलने पर उन्होंने अपना अनशन खत्म कर दिया।

20 जुलाई 2026 को सीजेपी ने जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रास्ते में रोक दिया। इस दौरान झड़प हुई और मामला फिर सुर्खियों में आ गया। इसके बाद विपक्ष ने भी नीट मामले को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। 22 जुलाई को राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया और जवाबदेही तय करने की मांग रखी।आखिरकार 25 जुलाई 2026 को धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा भेज दिया। इसके बाद राष्ट्रपति ने प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपने की मंजूरी दी। सीजेपी ने भी इसके बाद अपना आंदोलन खत्म करने का ऐलान किया।

### अब क्रेडिट वॉर...

के एकजुट आंदोलन ने सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया। उनके मुताबिक, यह सिर्फ एक मंत्री के इस्तीफे तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि यह युवाओं की असीम ताकत का स्पष्ट संदेश है। उन्होंने दावा किया कि शिक्षा के क्षेत्र में अभी कई बड़े और कठोर सुधारों की जरूरत है। साथ ही, उन्होंने उत्तर प्रदेश के 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर भी इसे अपनी पार्टी के लिए एक सकारात्मक संकेत बताया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी प्रदर्शनकारी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि जनता की एकजुटता ने सरकार को झुकाया है। वहीं, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसे देश के युवाओं और छात्रों की ऐतिहासिक जीत करार दिया। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी काफी समय से युवाओं की आवाज लगातार उठा रहे थे, जिसका असर अब धरातल पर दिखाई दे रहा है। इन बयानों के आने के बाद विपक्षी दलों के बीच इस पूरे सफल आंदोलन का राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ भी साफ नजर आने लगी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने मामले में बातचीत के पहलू का जिक्र किया। शरद पवार ने कहा कि उन्होंने पहले ही प्रधानमंत्री को बातचीत कर बीच का समाधान निकालने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि लोकतंत्र में संवाद ही सबसे जरूरी और प्रभावी रास्ता है।

### पीजी मेडिकल ...

अब तक घटनास्थल से किसी सुसाइड नोट की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मृत्यु के कारणों और परिस्थितियों को लेकर स्पष्ट तस्वीर सामने आने की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले घटना के कारणों को लेकर किसी भी तरह की अटकलें लगाना उचित नहीं होगा। मामले से जुड़े सभी तथ्यों का वैज्ञानिक और कानूनी तरीके से परीक्षण किया जा रहा है।इस घटना ने एक बार फिर मेडिकल शिक्षा के दौरान विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव और उनके मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि इस मामले में शैक्षणिक दबाव या किसी अन्य कारण को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों की जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

### ईरानी 'परमाणु...

पिकएक्स माउंटेन, जिसका फारसी नाम कुह-ए कोलांग गज़ ला है, ईरान के इस्फहान प्रांत में जाग्रोस पहाड़ियों की विशाल शृंखलाओं में स्थित है। यह नतांज यूरेनियम संवर्धन परिसर से सिर्फ 1.5 से 2 किलोमीटर दक्षिण में है। इस पहाड़ की ऊंचाई करीब 1,600 मीटर है और इसके अंदर विशाल सुरंगों वाला एक बेहद जटिल कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है।

वर्ष 2020 में नतांज में हुए भीषण विस्फोट के बाद ईरान ने इस सुरक्षित स्थान पर निर्माण कार्य तेजी से शुरू किया था। उस समय ईरानी अधिकारियों ने कहा था कि यहाँ एडवांस सेंट्रीफ्यूज बनाने और उन्हें असेंबल करने की सुविधा बनाई जाएगी। हालांकि, पश्चिमी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह स्थान परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए सुरक्षित बंकर हो सकता है, जहाँ संवर्धित यूरेनियम स्टोर किया जा सकता है या गुप्त रूप से संवर्धन का कार्य किया जा सकता है।2026 तक प्राप्त सैटेलाइट तस्वीरों से स्पष्ट पता चलता है कि यहाँ निर्माण कार्य लगातार जारी है। सुरंग के प्रवेश द्वारों को अत्यधिक मजबूत कंक्रीट की मोटी परतों से ढका गया है, सुरक्षा दीवारें बनाई गई हैं और एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम तैनात किए गए हैं। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के निरीक्षकों को यहाँ कभी प्रवेश नहीं दिया गया, इसलिए इसके भीतर की सटीक जानकारी काफी सीमित है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जुलाई 2026 में कई बार सार्वजनिक रूप से इस जगह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस पर बहुत जल्द और बेहद भारी हमला करेगा। हालांकि, ट्रंप ने स्वीकार किया कि फिलहाल वहाँ कोई बड़ी गतिविधि नजर नहीं आ रही है, लेकिन फिर भी इसे रणनीतिक निशाना बनाने की बात कही। इज़राइली खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने पिछले हमलों के बाद अपने हजारों आधुनिक सेंट्रीफ्यूज और भारी मात्रा में संवर्धित यूरेनियम यहाँ शिफ्ट कर दिया है।

यह धमकी 2026 के जारी ईरान युद्ध का ही हिस्सा है, जिसमें अमेरिका और इज़राइल ने मिलकर ईरान के कई प्रमुख परमाणु ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इस दौरान नतांज, फोर्डो और इस्फहान को निशाना बनाया गया, लेकिन पिकएक्स माउंटेन अपनी गहराई के कारण अब तक बचा रहा। ट्रंप इसे बड़ा हमला कहकर ईरान को सख्त चेतावनी दे रहे हैं। वहीं, जवाब में ईरान ने स्पष्ट कहा है कि इस तरह का कोई भी हमला पूरे क्षेत्र को नर्क में बदल देगा। पिकएक्स माउंटेन को पूरी तरह नष्ट करना कतई आसान नहीं है, क्योंकि यह कठोर ग्रेनाइट चट्टान के 80 से 100 मीटर या उससे अधिक गहराई में धंसा हुआ है। अमेरिका के पास सबसे शक्तिशाली बंकर-बस्टर बम जीबीयू - 57 विशाल आयुध भेदक मौजूद है, जिसका वजन लगभग 30,000 पाउंड है और इसे बी-2 स्पीरिट स्टेल्थ बमवर्षक विमानों से गिराया जाता है।

### राम मंदिर ...

और चढ़ावा चोरी की अप्रिय घटना के लिए ईश्वर से क्षमा याचना करना था।

महंत दिनेंद्र दास ने शनिवार को बताया कि अनुष्ठान के अंतिम दिन मंदिर की यज्ञशाला में भव्य हवन और विशेष पूजा-अर्चना की गई। यह पूरा कार्यक्रम देश के ख्यातिलब्ध वैदिक विद्वानों की कड़ी देखरेख में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास और ट्रस्टी कृष्ण मोहन ने सहभागिता की तथा आहुतियां दीं। अनुष्ठान के उपरांत एक विशाल सामुदायिक भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें स्थानीय ब्राह्मणों व साधु-संतों को भोजन कराया गया।दास के अनुसार, इस 10 दिवसीय महा-अनुष्ठान में अयोध्या सहित देश के विभिन्न स्थानों से आए लगभग 70 प्रकांड वैदिक आचार्यों ने हिस्सा लिया। इन आचार्यों ने निरंतर वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, रुद्राभिषेक और रामार्चा पूजा संपन्न कराई। वहीं, दूसरी ओर भगवान श्री राम लला के मुख्य पुजारी ने अनुष्ठान के पूरे समय विष्णु सहस्रनाम का पाठ किया।उन्होंने बताया कि यह विशेष प्रायश्चित अनुष्ठान ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि के प्रत्यक्ष निर्देशों पर आयोजित किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सनातन धार्मिक परंपराओं के अनुसार, मंदिर परिसर में चोरी या पूजा-विधान में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या विघ्न जैसी घटनाओं के बाद मंदिर की पवित्रता और दिव्यता को पुनः स्थापित करने के लिए ऐसे अनुष्ठान किए जाने का विधान है।

उल्लेखनीय है कि यह पूरा आयोजन राम मंदिर में भक्तों द्वारा अर्पित चढ़ावे की चोरी को लेकर उपजे विवाद के बीच हुआ है।

# क्या मासूम की जान की कीमत सिर्फ 6 लाख?

## –शमशाबाद में स्कूल बस हादसे में 4 वर्षीय छात्रा सहस्र की मौत, मुआवजे से ज्यादा न्याय की मांग,

## स्कूल की सुरक्षा व फिटनेस व्यवस्था और बस के दस्तावेजों पर उठे गंभीर सवाल

शमशाबाद (रंगारेड्डी जिला), 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद क्षेत्र के चौदरगुडा मंडल में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 4 वर्षीय छात्रा सहस्र की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब वह स्कूल बस से उतरने के बाद अपने घर की ओर जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इसी दौरान स्कूल बस चालक ने कथित रूप से वाहन पीछे किया और बच्ची को नहीं देख सका। बच्ची बस के नीचे आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही गंभीर चोटें आईं। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

इस हृदयविदारक घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

घटना के बाद अभ्यास विद्यापीठ स्कूल प्रबंधन ने मृतक छात्रा के परिवार को 6 लाख मुआवजा देने की पेशकश की। बताया गया कि पहले 1 लाख अग्रिम और बाद में 5 लाख देने की बात कही गई।

हालांकि, बच्ची के माता-पिता ने स्पष्ट कहा कि उनकी बेटी की जान की कीमत किसी भी मुआवजे से नहीं लगाई जा सकती। उनका कहना है कि केवल आर्थिक सहायता देकर मामले को खत्म करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए, बल्कि दुर्घटना के लिए जिम्मेदार प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

घटना के बाद स्कूल बस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों और परिजनों ने मांग की है कि बस का फिटनेस सर्टिफिकेट, बीमा (इंश्योरेंस), परमिट, चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस, तथा स्कूल बस संचालन से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच कराई जाए। इसके अलावा यह भी जांच हो कि बस में बच्चों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य अटेंडेंट (हेल्पर) मौजूद था या नहीं और बच्चों को सुरक्षित उतारने-चढ़ाने की प्रक्रिया का पालन किया जा रहा था या नहीं।

साथ ही यह मांग भी उठी है कि स्कूल परिसर और परिवहन व्यवस्था में बच्चों की सुरक्षा से संबंधित सभी सरकारी मानकों का पालन हो रहा था या नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि स्कूल बसों में सीसीटीवी, स्पीड गवर्नर, प्रशिक्षित चालक, हेल्पर तथा सुरक्षित ड्रॉपिंग व्यवस्था जैसी सुविधाएं बच्चों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यदि इनमें किसी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित लोगों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। घटना को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने भी विरोध प्रदर्शन किया और स्कूल प्रबंधन तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यदि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में भी ऐसी घटनाएं दोहराई जा सकती हैं।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना कैसे हुई, चालक की भूमिका क्या थी, बस के सभी दस्तावेज वैध थे या नहीं, सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहींइन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

यदि जांच में चालक, स्कूल प्रबंधन या किसी अन्य संबंधित व्यक्ति की लापरवाही सामने आती है, तो उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य लागू कानूनों के तहत उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह घटना एक बार फिर स्कूल बसों की सुरक्षा व्यवस्था और बच्चों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। अभिभावकों का कहना है कि उनकी मांग केवल न्याय की नहीं, बल्कि ऐसी प्रभावी व्यवस्था की भी है जिससे भविष्य में किसी अन्य परिवार को इस तरह का दर्द न झेलना पड़े।

# संवेदनहीनता की हद : मामा और ममेरे भाइयों ने नाबालिग अनाथ बच्ची से किया सामूहिक दुष्कर्म

**मेड़चल-मल्काजगिरी जिला , 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मेड़चल जिले के कीसरा थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार और इंसानियत को तार-तार कर देने वाला एक खौफनाक मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी अनुसार माता-पिता के साये से महरूम एक 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ उसके ही सगे मामा और दो ममेरे भाइयों ने नशे की हालत में सामूहिक दुष्कर्म जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित बच्ची हॉस्टल में एक अन्य हादसे के बाद इलाज और देखभाल के लिए वापस नानी के घर पहुंची।

**माता-पिता की मौत के बाद नानी के पास रह रही थी पीड़िता**

पुलिस और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता के माता-पिता की कुछ समय पूर्व मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद से ही 13 वर्षीय बालिका कीसरा स्थित अपनी नानी के घर रहकर जीवन यापन कर रही थी। बच्ची की शिक्षा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे तुर्कापल्ली स्थित एक कल्याणकारी हॉस्टल में नामांकित कराया गया था।

हाल ही में हॉस्टल में छुट्टियां होने के कारण बालिका वापस कीसरा स्थित अपनी नानी के घर आई हुई थी।

नशे की धुन में रिश्तों का कत्ल की घटना वाले दिन जब बालिका घर में अकेली थी, तभी उसके सगे मामा और रिश्ते में भाई लगने वाले दो अन्य युवकों ने मौका पाकर हमला कर दिया। आरोपी उस वक्त गंजे (मादक पदार्थ) के अत्यधिक नशे में धुत थे। नशे की हालत में तीनों ने मिलकर मासूम के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने पीड़िता को डरा-धमकाकर चुप करा दिया और मामले को दबाने की पूरी कोशिश की, ताकि यह भयानक कृत्य बाहर न आ सके।

**ऐसे हुआ मामले का पर्दाफाश**

छुट्टियां खत्म होने पर पीड़िता वापस अपने तुर्कापल्ली स्थित हॉस्टल लौट गई। हॉस्टल में रहने के दौरान दुर्भाग्यवश सीलिंग फैन (पंखा) से टकराकर बच्ची घायल हो गई। चोट लगने के कारण हॉस्टल प्रबंधन ने उसे वापस उसकी नानी के घर भेज दिया। घर लौटने पर जब नानी और परिजनों ने चोट के साथ-साथ बच्ची की शारीरिक और मानसिक स्थिति में असामान्य बदलाव देखे, तो उससे पूछताछ की गई। इस दौरान सहमी हुई मासूम टूट गई और उसने अपने साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की पूरी आपबीती सुना दी।

**पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हूए एक किया गिरफ्तार, दो की तलाश जारी**

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता के पक्ष द्वारा कीसरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पॉक्सो अधिनियम और सामूहिक दुष्कर्म की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है ।

पुलिस अधिकारी का बयान : घटना की जानकारी मिलते ही कीसरा पुलिस हरकत में आई और मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी। पुलिस अधिकारी के अनुसार, तीन नामजद आरोपियों में से एक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

वहीं, फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमों का गठन कर विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि बाकी आरोपियों को भी जल्द ही कानून के शिकंजे में ले लिया जाएगा।

इस जघन्य अपराध के सामने आने के बाद पूरे इलाके में भारी आक्रोश है और स्थानीय लोग आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग कर रहे हैं।

## महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक मामला: मुख्य आरोपी बिजेंद्र गुप्ता बिहार से गिरफ्तार

**पटना, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी बिजेंद्र गुप्ता को बिहार के समस्तीपुर जिले में उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके साथ एक अन्य आरोपी को भी हिरासत में लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, बिजेंद्र कई महीनों से गिरफ्तारी से बच रहा था और उसे पकड़ने के लिए बिहार समेत कई राज्यों में छापेमारी की जा रही थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को भिवंडी पुलिस लेकर पुणे पहुंची है, जहां उससे पूछताछ की जाएगी।

यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब देशभर में नीट समेत विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ छात्र आंदोलन जारी हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले प्रदर्शन जारी हैं, जिसमें पेपर लीक सिंडिकेट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

28 जून को महाराष्ट्र टीईटी परीक्षा से पहले पेपर लीक का मामला सामने आया था। आरोप है कि लीक पेपर को डेढ़ करोड़ रुपये में बेचने की साजिश हो रही थी। आरोपी के पास से चार सेट प्रश्नपत्र बरामद हुए थे। इससे पहले भी बिजेंद्र की पत्नी समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस का कहना है कि बिजेंद्र की गिरफ्तारी से पेपर लीक नेटवर्क के कई राज खुलेंगे और अन्य आरोपियों को भी पकड़ा जा सकता है। यह मामला पूरे देश में पेपर लीक के खिलाफ हो रहे आंदोलन के बीच एक बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

## जयपुर में धारव हाई स्कूल का दो दिवसीय पेरेंट्स इन्फॉर्मेशन सेशन शुरू

**बीकानेर, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

राजधानी जयपुर के अजमेर रोड स्थित धारव हाई स्कूल ने शनिवार से होटल लक्ष्मी निवास पैलेस में अभिभावकों के लिए दो दिवसीय पेरेंट्स इन्फॉर्मेशन सेशन आयोजित किया है। प्रिंसीपल निशी और मोनिषा ने इस कार्यक्रम के माध्यम से अभिभावकों को विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, आवासीय सुविधाओं और समग्र शिक्षा प्रणाली की जानकारी दी।

इस दौरान स्कूल के नेतृत्वकर्ता और एडमिशन टीम अभिभावकों से संवाद कर उनकी शंकाओं का समाधान कर रहे हैं तथा बच्चों के लिए उपयुक्त शैक्षणिक वातावरण के चयन में मार्गदर्शन कर रहे हैं। धारव हाई स्कूल का साप्ताहिक बोर्डिंग मॉडल विद्यार्थियों को शिक्षा, खेल, मनोरंजन और विकास के बीच संतुलन बनाने का अवसर देता है।

विद्यालय के लगभग 15 एकड़ के ग्रीन कैम्पस में विद्यार्थियों को सुरक्षित और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान किया जाता है। चेयरपर्सन देवयानी जयपुरिया ने बताया कि उनका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर विद्यार्थी तक पहुँचाना है, खासकर उन बच्चों तक जो शैक्षणिक सुविधाओं से वंचित हैं। डायरेक्टर डॉ. अदिति मिश्रा ने कहा कि सही विद्यालय का चयन परिवार के लिए महत्वपूर्ण होता है और धारव हाई स्कूल बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा एवं जीवन कौशल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## गीत चाँदनी की 346वीं मूल्यांकन कवि गोष्ठी आज

**हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

शहर की सक्रिय साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान के तत्वावधान में प्रतिमाह आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी की 346वीं कड़ी का आयोजन रविवार, 26 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे से मोजमजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलर सभागृह में होगा।

संस्था की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस गोष्ठी में स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद मुख्यालय के सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री विनय कुमार सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इस बार का विशेष आकर्षण – प्रीति सिन्हा के संपादन में श्रीकृष्ण नगर, पटना (बिहार) से पिछले 28 वर्षों से प्रकाशित हो रही मासिक हिंदी पत्रिका के अंक 11-12, जुलाई 2026 में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के प्रबुद्ध साहित्यकार अपना मूल्यांकन प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन गीत चाँदनी के कार्यदर्शी एवं मगोलकोण्डा दर्पणफ के संपादक कवि गोविंद अक्षय करेंगे। इस अवसर पर मूल्यांकन के साथ-साथ पूर्णिमा कवि गोष्ठी भी होगी, जिसमें नगर के कवि समसामयिक विषयों, सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों पर आधारित गीत, गजल, कविता और हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुति देंगे।

गोविंद अक्षय ने बताया कि संस्था पिछले 45 वर्षों से नियमित रूप से ऐसी गोष्ठियों का आयोजन कर रही है। आयोजकों ने सभी कवियों और साहित्य प्रेमियों से समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है। कार्यक्रम के प्रारंभ में कवयित्री आशा ठाकुर की ओर से जलपान की व्यवस्था रहेगी।

## मंचेरियाल-करीमनगर-हैदराबाद सड़क चौड़ीकरण व कालेश्वरम परियोजना पर भाजपा ने केंद्रीय मंत्रियों से की चर्चा

**मंचेरियाल, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मंचेरियाल-करीमनगर-हैदराबाद मुख्य सड़क के चौड़ीकरण कार्य में तेजी लाने की मांग को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वेरावल्ली रघुनाथ ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही के कारण यातायात जाम और दुर्घटनाओं की समस्या बनी हुई है, इसलिए सड़क चौड़ीकरण कार्य शीघ्र पूरा कराने का अनुरोध किया।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस परियोजना में तेजी लाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। इसी दौरान सड़क विकास एवं क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।इसके बाद केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी की अध्यक्षता में तेलंगाना की कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना की गुणवत्ता, भ्रष्टाचार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर बैठक हुई। बैठक में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में कालेश्वरम परियोजना की गुणवत्ता की जांच, किसानों को सिंचाई और पेयजल की उपलब्धता तथा बिजली उत्पादन व्यवस्था को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया। यह मुद्दा पिछले कुछ वर्षों से सार्वजनिक और राजनीतिक चर्चा का विषय रहा है।

## राधे-राधे परिवार से जुड़कर जीवन हुआ धन्य : कमल मूंदड़ा

हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और सेवा भावना के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी संदेश दिया गया। सेवा कार्य में शामिल प्रत्येक स्वयंसेवक ने पूरी निष्ठा के साथ अन्नदान कर यह संदेश दिया कि भूखे व्यक्ति की थाली भरना ही सच्ची ईश्वर आराधना है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कमल मूंदड़ा ने कहा कि आज के समय में जहां अधिकांश लोग केवल अपने परिवार और निजी जीवन तक सीमित होते जा रहे हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा का जो महान कार्य कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना, पीड़ित के चेहरे पर मुस्कान लाना और निराश व्यक्ति को आशा देना सबसे बड़ा पुण्य है। यही हमारी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का वास्तविक स्वरूप है।

उन्होंने भावुक होकर कहा कि राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्यों को देखकर उनका मन श्रद्धा से भर गया। यहां न किसी की जाति देखी जाती है, न धर्म, न भाषा और न ही आर्थिक स्थिति। यहां केवल इंसानियत को महत्व दिया जाता है। यही भावना समाज को जोड़ती है और राष्ट्र को मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि आज इस सेवा अभियान से जुड़कर उन्हें ऐसा अनुभव हुआ मानो राधारानी की विशेष कृपा प्राप्त हुई हो। राधे-राधे परिवार से जुड़कर उनका जीवन धन्य हो गया है।कमल मूंदड़ा ने समाज के सक्षम लोगों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन का कुछ समय और अपनी आय का एक छोटा-सा हिस्सा मानव सेवा के लिए अवश्य समर्पित करें। यदि प्रत्येक परिवार सप्ताह में केवल एक दिन किसी जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प ले ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहेगा। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, उमा डालमिया, भंवरलाल गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, संजय गुप्ता, मनीषा गुप्ता, कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

### जल संकट से निपटने की तैयारी:

## बांसवाड़ा में हर भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग टैंक बनाने की अपील

**बांसवाड़ा, 25 जुलाई।**

जलवायु परिवर्तन और अल नीनो के प्रभाव से भविष्य में संभावित जल संकट को देखते हुए बांसवाड़ा नगर निगम ने एहतियाती कदम उठाया है।

नगर निगम आयुक्त गोपू गंगाधर और प्रशासनिक अधिकारियों ने नगर निगम सीमा क्षेत्र के सभी भवन मालिकों, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के मालिकों से अपने-अपने भवनों में अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम / जल संचयन टंकी बनवाने की अपील की है।

इस अवसर पर उन्होंने रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लाभ गिनाए –

1. वर्षा जल व्यर्थ नहीं जाता, सीधे भूजल में समाहित होकर भूजल स्तर बढ़ाता है।
2. बोरवेल, कुओं व अन्य जल स्रोतों में पानी की उपलब्धता में सुधार होता है।
3. अल नीनो के कारण उत्पन्न होने वाले जल संकट को कम करने में सहायक है।
4. बरसात के मौसम में सड़कों पर जलभराव को रोकता है और जल निकासी व्यवस्था बेहतर होती है।
5. आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्रोतों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
6. पर्यावरण संरक्षण में मदद करता है और जल उपयोग में स्थिरता को बढ़ावा देता है।

नगर परिषद ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने भवनों में जल संचयन टंकी का निर्माण करवाकर जल संरक्षण अभियान में सहभागी बनें।

## दक्षिण मध्य रेलवे के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी करने के निर्देश

**पेद्दापल्ली, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

जिला कलेक्टर कोया श्रीहरशा ने रेलवे लाइनों के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है। शनिवार को जिला कलेक्टर कार्यालय में दक्षिण मध्य रेलवे और राजस्व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने ओडेला, पेद्दापल्ली, रामागुंडम और अंतारगांव मंडलों में प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) और फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रगति की समीक्षा की। श्रीहरशा ने कहा कि रेलवे विकास कार्य दीर्घकालीन लाभकारी होंगे और राजस्व अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के साथ निर्माण कार्य बिना देरी शुरू करने के निर्देश दिए। रेलवे अधिकारियों को भी लोगों को असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखने तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य में तेजी लाने को कहा गया।इस बैठक में पेद्दापल्ली आरडीओ, तहसीलदार, एडी सर्वेयर, दक्षिण मध्य रेलवे के विशेषज्ञ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्री मोहनलालजी विजयवर्गीय
की पुण्यतिथि के अवसर पर
सावित्रीबाई विजयवर्गीय एवं परिवार
वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.